दैनिक

करंट क्राइम

www.currentcrime.com

सिर्फ सच...

दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

नई दिल्ली। शुक्रवार 13 मार्च -2026 | वर्ष : 11 अंक : 79 पेज-08 | RNI NO. DELHIN/2015/65364 | मूल्य : ₹3

लोकसभा में बोले पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी

गैस पर पैनिक होने की जरूरत नहीं

नई दिल्ली। लोकसभा में केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने पश्चिम एशिया संकट के बाद देश में गैस की किल्लत के मुद्दे पर बयान दिया। उन्होंने कहा कि दुनिया के ऊर्जा इतिहास में शायद ही कभी ऐसा समय आया हो जैसा अभी पश्चिम एशिया के संकट के कारण देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति के लिए बेहद गंभीर मानी जा रही है। लोकसभा में मंत्री कहा कि मोदी सरकार की प्राथमिकता यह है कि भारत के 33 करोड़ परिवारों की रसोई में किसी भी प्रकार की (ईंधन की) कमी न हो।

'होर्मुज से 20 प्रतिशत आवाजाही प्रभावित' : पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप पुरी ने अपने बयान में कहा, 'होर्मुज से 20 प्रतिशत आवाजाही प्रभावित हुई है, 40 प्रतिशत कच्चा तेल दूसरे देश से आ रहा हैं। उन्होंने इस दौरान कहा कि हमारे पास पर्याप्त कच्चा तेल है। केंद्रीय मंत्री ने आगे बताया कि भारत की क्रूड सप्लाई पूरी तरह से सुरक्षित है और भारत में पेट्रोल-डीजल की किसी भी तरह की कोई दिक्कत नहीं, देश में अभी पर्याप्त गैस है। गैस की किल्लत को लेकर अफवाहों के बीच केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सीएनजी की सप्लाई 100 प्रतिशत जारी है, भारत में एलएनजी के कार्गो रोज आ रहे हैं। गैस सिलिंडर को लेकर किसी भी तरह से पैनिक होने की जरूरत नहीं है, पैनिक होने की वजह से डिमांड बढ़ी है।

'संकट से निकटने को लेकर पूरी तरह से तैयार' : इस दौरान केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने बताया कि देश में एलपीजी का उत्पादन 28 फीसदी बढ़ा है और देश लंबे समय तक इस संकट से निकटने को लेकर पूरी तरह से तैयार है। पेट्रोलियम मंत्री ने आगे कहा कि भारत अभी भी कनाडा, नार्वे और रूस से तेल ले रहा है और हमने गैस की कालाबाजारी को रोकने के निर्देश जारी किए है।

गैस एजेंसियों पर हाहाकार : कहीं सिलेंडर गायब तो कहीं बुकिंग ठप

दावों के बाद भी शहर भर में एजेंसियों पर भीड़ और शोर

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद में रसोई गैस को लेकर हालात लगातार बिगड़ते नजर आ रहे हैं। जिला प्रशासन की ओर से कालाबाजारी रोकने और उपभोक्ताओं को समय पर सिलेंडर उपलब्ध कराने के दावे किए गए थे, लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल उलट दिखाई दे रही है। गुरुवार को दैनिक करंट क्राइम की टीम ने शहर के चंद्र नगर, शास्त्री नगर और नेहरू नगर समेत कई इलाकों की गैस एजेंसियों का दौरा किया, जहां एजेंसियों के बाहर लोगों की लंबी कतारें लगी हुई थीं। कहीं बुकिंग ठप होने से लोग परेशान थे तो कहीं सिलेंडर की कमी बताकर लोगों को लौटा दिया जा रहा था। शास्त्री नगर स्थित राज गैस एजेंसी में पर्याप्त सिलेंडर मौजूद होने के बावजूद उपभोक्ताओं को सीमित संख्या में सिलेंडर देने की शिकायत सामने आई। एजेंसी कर्मचारियों का कहना था कि केवल उन्हीं लोगों को सिलेंडर दिया जाएगा, जिनकी पहले से बुकिंग है। लेकिन कई उपभोक्ताओं ने आरोप लगाया कि बुकिंग प्रणाली ही काम नहीं कर रही, ऐसे में लोगों के सामने संकट खड़ा हो गया है। पहले जहां सिलेंडर आसानी से मिल जाता था, अब वही गैस लोगों के लिए बड़ी समस्या बन गई है।

रजापुर के पास एजेंसी पर बेकाबू हुई भीड़

करंट क्राइम : कवि नगर थानाक्षेत्र के रजापुर गांव के पास स्थित एक गैस एजेंसी पर हालात इतने बिगड़ गए कि भीड़ ने वहां तैनात गार्ड को घेर लिया और एजेंसी कार्यालय में घुसने का प्रयास किया। लोगों का आरोप था कि सिलेंडर होने के बावजूद उन्हें नहीं दिया जा रहा। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को काबू में किया। घटना के बाद इलाके में कुछ देर तक तनाव का माहौल बना रहा।

चंद्र नगर में एजेंसियों पर उमड़ी भीड़

करंट क्राइम : चंद्र नगर क्षेत्र में भी गैस एजेंसियों के बाहर सुबह से ही भीड़ का जमावड़ा लग गया। लोगों का कहना है कि न तो ऑनलाइन बुकिंग हो रही है और न ही फोन पर एजेंसी कर्मचारी सही जानकारी दे रहे हैं। मजबूरन लोग सीधे एजेंसियों पर पहुंच रहे हैं। कई जगहों पर लोगों के बीच बहस और हंगामे की स्थिति बनती दिखाई दी। अगर यही हालात रहे तो आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है।

पुलिस और आपूर्ति विभाग अलर्ट मोड में

करंट क्राइम : शहर में बनते हालात को देखते हुए जिला आपूर्ति विभाग और पुलिस प्रशासन अलर्ट हो गया है। जिन थाना क्षेत्रों में गैस एजेंसियां संचालित हो रही हैं, वहां के थाना प्रभारियों को एजेंसी संचालकों से लगातार संपर्क बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या हंगामे की स्थिति बनने पर तुरंत पुलिस सहायता लेने के लिए कहा गया है। पुलिस एजेंसियों के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की भी निगरानी कर रही है।

अफवाहों ने बढ़ाई घबराहट और परेशानी

करंट क्राइम : गैस सिलेंडर की कमी की खबरों के बीच सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रही अफवाहों ने लोगों की चिंता और बढ़ा दी है। कई लोग भविष्य की आशंका में जरूरत से पहले ही सिलेंडर लेने के लिए एजेंसियों पर पहुंच रहे हैं। प्रशासन भले ही आपूर्ति व्यवस्था सामान्य होने का दावा कर रहा हो, लेकिन जमीनी हकीकत फिलहाल लोगों की परेशानी को साफ तौर पर बयां कर रही है।

गाजियाबाद नगर निगम को ब्लूमबर्ग मेयर्स चैलेंज में मिली सफलता प्रेरणादायक : डॉ. पी.एन. अरोड़ा

यशोदा मेडिसिटी के निदेशक ने मेयर सुनीता दयाल और नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक को दी बधाई

गाजियाबाद, करंट क्राइम। यशोदा मेडिसिटी के निदेशक डॉ. पी.एन. अरोड़ा ने ब्लूमबर्ग मेयर्स चैलेंज-2025 में गाजियाबाद नगर निगम को मिली उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए इसे शहर के लिए गर्व का विषय बताया है। उन्होंने कहा कि यह सफलता गाजियाबाद के प्रशासनिक नेतृत्व और नगर निगम की दूरदर्शी सोच का परिणाम है।

यशोदा मेडिसिटी के निदेशक डॉ. पी.एन. अरोड़ा ने कहा कि ब्लूमबर्ग मेयर्स चैलेंज-2025 में गाजियाबाद नगर निगम की उल्लेखनीय जीत बेहद प्रेरणादायक है। भारत के केवल दूसरे शहर के रूप में इस वैश्विक पहचान को प्राप्त करना गाजियाबाद के लिए बड़ी उपलब्धि है।

उन्होंने इस उपलब्धि के लिए गाजियाबाद की मेयर सुनीता दयाल, नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक (आईएएस) और पूरी नगर निगम टीम को बधाई देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व, दूरदृष्टि और नवाचारपूर्ण कार्यों के कारण यह सफलता संभव हो पाई है।

डॉ. अरोड़ा ने उम्मीद जताई कि इस तरह की पहले शहर के विकास, नागरिक सुविधाओं और शहरी प्रबंधन को नई दिशा देंगी तथा गाजियाबाद भविष्य में भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान मजबूत करेगा।

गैस आपूर्ति को लेकर लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने लिखा हरदीप सिंह पुरी को पत्र

खाने की ठेलियों से लेकर रेस्टोरेंट को मिले गैस आपूर्ति में प्राथमिकता

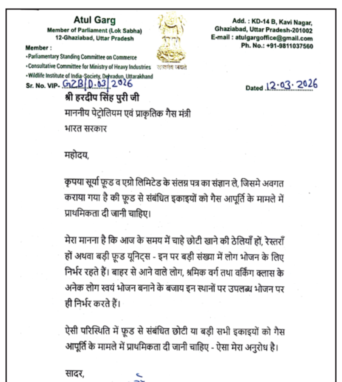

Atul Garg
Member of Parliament (Lok Sabha)
12-Ghaziabad, Uttar Pradesh

Add. : KD-14 B, Kavi Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201002
E-mail : atulgargoffice@gmail.com
Ph. No.: +91-9811037560

Member :
- Parliamentary Standing Committee on Commerce
- Consultative Committee for Ministry of Heavy Industries
- Wildlife Institute of India-Society, Dehradun, Uttarakhand

Sr. No. VIP- GZB/D-03/2026

Dated 12-03-2026

श्री हरदीप सिंह पुरी जी
माननीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री
भारत सरकार

महोदय,

कृपया सूर्या फूड व एग्रो लिमिटेड के संलग्न पत्र का संज्ञान ले, जिसमे अवगत कराया गया है की फूड से संबंधित इकाइयों को गैस आपूर्ति के मामले में प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

मेरा मानना है कि आज के समय में चाहे छोटी खाने की ठेलियाँ हों, रेस्तराँ हों अथवा बड़ी फूड यूनिट्स - इन पर बड़ी संख्या में लोग भोजन के लिए निर्भर रहते हैं। बाहर से आने वाले लोग, श्रमिक वर्ग तथा वर्किंग क्लास के अनेक लोग स्वयं भोजन बनाने के बजाय इन स्थानों पर उपलब्ध भोजन पर ही निर्भर करते हैं।

ऐसी परिस्थिति में फूड से संबंधित छोटी या बड़ी सभी इकाइयों को गैस आपूर्ति के मामले में प्राथमिकता दी जानी चाहिए - ऐसा मेरा अनुरोध है।

सादर,

अतुल गर्ग

गाजियाबाद, करंट क्राइम। लोकसभा सांसद अतुल गर्ग अपने क्षेत्र की जनसुविधाओं को लेकर हमेशा अलर्ट मोड पर रहते हैं। जब गैस को लेकर एक माहौल ये बनने लगा है कि इसकी किल्लत हो सकी है। ऐसे में सरकारी एजेंसियां लगातार इस बात को कह रहे हैं कि गैस का स्टॉक पर्याप्त मात्रा में है और कोई परेशानी नहीं होगी। गुरूवार को लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने पेट्रोलियम तथा गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी को पत्र लिखा। सांसद अतुल गर्ग ने केन्द्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री को लिखे पत्र में कहा कि कृपया सूर्या फूड व एग्रो लिमिटेड के पत्र का संज्ञान लें। जिसमें अवगत कराया गया है कि फूड से सम्बन्धित ईकाइयों को गैस आपूर्ति के मामले में प्राथमिकता दी जानी चाहिए। सांसद अतुल गर्ग ने अपने पत्र में लिखा है कि मेरा मानना है कि आज के समय में चाहे छोटी खाने की ठेलियां हों, रेस्टोरेंट हों या बड़ी फूड यूनिट हो। इन पर बड़ी संख्या में लोग भोजन के लिए निर्भर रहते हैं।

बाहर से आने वाले लोग श्रमिक वर्ग तथा वर्किंग क्लास के अनेक लोग स्वयं भोजन बनाने के बजाय इन स्थानों पर उपलब्ध भोजन पर ही निर्भर करते हैं। ऐसी परिस्थिति में फूड से सम्बन्धित छोटी या बड़ी सभी इकाईयों को गैस आपूर्ति के मामले में प्राथमिकता दी जानी चाहिए। ऐसा मेरा अनुरोध है।

मसूरी के नाहल में जैश-ए-मोहम्मद के नाम पर चल रही ब्रेन वॉश की नर्सरी मास्टरमाइंड एलएलबी छात्र, परचून दुकानदार और मौलाना सहित 6 गिरफ्तार

सोशल मीडिया के जरिए फैलाया जा रहा था कट्टरपंथी कंटेंट, इंटेलिजेंस एजेंसियां भी जांच में जुटीं

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के ग्रामीण जोन के थाना मसूरी क्षेत्र का नाहल गांव एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आ गया है। मसूरी पुलिस ने एक बड़े खुलासे में प्रतिबंधित आतंकी संगठनों से जुड़ा डिजिटल नेटवर्क चलाने वाले गिरोह का पदार्फाश करते हुए 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि ये लोग सोशल मीडिया के माध्यम से देश विरोधी और कट्टरपंथी सामग्री प्रसारित कर लोगों को भड़काने और प्रभावित करने का काम कर रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों में एलएलबी का छात्र, परचून की दुकान चलाने वाला युवक, एक मौलाना और अन्य लोग शामिल हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी फेसबुक, इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सक्रिय रहते थे और वहां से प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े वीडियो, संदेश और प्रचार सामग्री डाउनलोड कर अलग-अलग समूहों में साझा करते थे। इन वीडियो में कथित तौर पर आतंकी संगठनों की ट्रेनिंग, कट्टरपंथी विचारधारा और समुदाय विशेष के नाम पर लोगों को भड़काने वाली सामग्री शामिल थी। इसके माध्यम से युवाओं को प्रभावित करने और एक संगठित नेटवर्क तैयार करने की कोशिश की जा रही थी।

सोशल मीडिया पर ग्रुप बनाकर चल रहा था नेटवर्क

करंट क्राइम : एसीपी मसूरी लिपि नगायच ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में सवेज उर्फ जिहादी, जुनैद, फरदीन, इकराम अली, फजरू और मोहम्मद जावेद शामिल हैं। पूछताछ में सामने आया कि इन सभी ने सोशल मीडिया पर एक निजी समूह बना रखा था। इस ग्रुप में नियमित रूप से प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े वीडियो, फोटो और संदेश साझा किए जाते थे। मुख्य आरोपी सवेज इंटरमीडिएट तक पढ़ा हुआ है और गांव में परचून की दुकान चलाता है। वही इस पूरे नेटवर्क का संचालन करता था। पुलिस के अनुसार सवेज सोशल मीडिया पर प्रतिबंधित संगठनों को फॉलो करता था और वहां से सामग्री लेकर अपने साथियों को भेजता था। इसके बाद यह लोग उन वीडियो और संदेशों को अन्य लोगों तक पहुंचाने का प्रयास करते थे। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी मोहम्मद जावेद करीब छह वर्षों तक नाहल गांव की मस्जिद में मौलाना के रूप में कार्य कर चुका है। वर्तमान में वह मसूरी के अजीज नगर कॉलोनी में रह रहा था और एक मदरसा भी चला रहा था। पुलिस के अनुसार जावेद धार्मिक बैठकों और निजी संपर्कों के माध्यम से लोगों को प्रभावित करने की कोशिश करता था। वहीं जुनैद एलएलबी का छात्र है और इकराम अली वकालत से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। पूछताछ में इन लोगों ने स्वीकार किया कि वे सोशल मीडिया पर प्रतिबंधित संगठनों को फॉलो करते थे और उनके वीडियो व संदेश आगे साझा करते थे।

मोबाइल फोन से मिल रहे हैं अहम सुराग

करंट क्राइम : पुलिस ने मुख्य आरोपी के पास से एक मोबाइल फोन बरामद किया है, जिसमें कई संदिग्ध वीडियो, फोटो और लिंक मिले हैं। शुरूआती जांच में सामने आया है कि इनमें से कुछ सामग्री प्रतिबंधित संगठनों से संबंधित है। पुलिस के मुताबिक मोबाइल से कई चैट और ग्रुप भी मिले हैं। कई मैसेज और वीडियो डिलीट किए गए थे, जिन्हें साइबर टीम की मदद से रिकवर करने का प्रयास किया जा रहा है। अधिकारियों का मानना है कि मोबाइल डाटा से इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के बारे में भी महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है।

इंटेलिजेंस एजेंसियां भी जांच में शामिल

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए इंटेलिजेंस एजेंसियों की भी मदद ली जा रही है। डिजिटल साक्ष्यों की गहन जांच की जा रही है और यह पता लगाया जा रहा है कि इन लोगों के संपर्क किन-किन स्थानों तक थे। पुलिस का मानना है कि यह नेटवर्क केवल स्थानीय स्तर तक सीमित नहीं हो सकता और इसके तार अन्य जिलों या राज्यों से भी जुड़े हो सकते हैं। इसलिए आने वाले दिनों में आरोपियों को रिमांड पर लेकर और गहन पूछताछ की जाएगी। पुलिस सूत्रों के अनुसार जांच में संकेत मिले हैं कि यह गिरोह काफी समय से सोशल मीडिया के माध्यम से सक्रिय था। इन लोगों ने एक नेटवर्क बनाकर डिजिटल माध्यम से प्रचार सामग्री साझा करने का काम शुरू किया था।

विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने की पुलिस की सराहना

करंट क्राइम : लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने इस कार्रवाई के लिए मसूरी पुलिस की सराहना की है। उन्होंने कहा कि पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड के नेतृत्व में पुलिस ने एक गंभीर मामले का खुलासा किया है। उन्होंने मांग की कि पूरे नेटवर्क की गहन जांच कर इसमें शामिल अन्य लोगों को भी चिन्हित किया जाए। उन्होंने इंस्पेक्टर मसूरी अजय कुमार और लोनी प्रभारी की वर्किंग की प्रशंसा सोशल मीडिया ग्रुपों पर भी की है। उधर पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में इस मामले में और खुलासे हो सकते हैं। जरूरत पड़ने पर अन्य केंद्रीय और राज्य स्तर की एजेंसियों को भी जांच में शामिल किया जा सकता है ताकि इस पूरे नेटवर्क को पूरी तरह समाप्त किया जा सके।

13 Mar -26 page 2 12-03-2026 22:39 Page 1

1882 के कानून की धारा को चुनौती देने वाली याचिका खारिज, याचिकाकर्ताओं को विधि आयोग की सलाह

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को दो याचिकाकताओं से कहा कि वे विधि आयोग के पास जाएं। इन याचिकाकताओं ने 1882 के कानून के एक प्रावधान को चुनौती दी थी, जिसमें मुस्लिम कानून के तहत किए गए तोहफों (उपहार) को पंजीकरण से मुक्त रखा गया है।

मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्य कांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि याचिकाकताओं के लिए उचित यह होगा कि वे विधि आयोग जैसे विशेषज्ञ निकाय के पास जाएं। विधि आयोग को मौजूदा कानूनों में उचित संशोधन की सिफारिश करने या नए कानून बनाने की जिम्मेदारी दी गई है।

याचिकाकताओं के वकील ने कहा कि याचिका ने संपत्ति हस्तांतरण अधिनियम, 1882 की धारा 129 और मुस्लिम व्यक्तिगत कानून (शरिया) आवेदन अधिनियम, 1937 की धारा 2 की सांविधानिक वैधता को चुनौती दी है, विशेष रूप से 'तोहफा' शब्द को लेकर।

वकील ने कहा कि मुस्लिम व्यक्तिगत कानून के तहत किए गए तोहफों को स्टाम्प शुल्क से मुक्त किया गया है, जबकि गैर-मुसलमानों को यह छूट नहीं दी गई। पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली भी शामिल थे। उन्होंने कहा कि यदि सार्वजनिक खजाने को कोई नुकसान होता है, तो संसद ही इसके लिए सक्षम मंच है। पीठ ने कहा कि संसद हमेशा कानून में संशोधन कर सकती है और नया कानून ला सकती है।

सीजेआई ने पूछा कि याचिकाकताओं ने संसद के किसी सदस्य के पास यह मुद्दा क्यों नहीं उठाया कि कानून में कथित भेदभाव का तत्व मौजूद है। वकील ने कहा कि संपत्ति हस्तांतरण अधिनियम और पंजीकरण अधिनियम के बीच संबंध है। उन्होंने कहा कि तोहफे की अवधारणा को लेकर व्यक्तिगत कानून और मौलिक अधिकारों के बीच टकराव पर निर्णय इस अदालत को करना है। पीठ ने कहा कि यह कानून 1882 का है। अचानक 2026 में आपको याद आता है कि यह अनुच्छेद 14 का उल्लंघन करता है और जब आपको यह याद आता है, तब आपने उन लोगों को सूचित करना भी उचित नहीं समझा जो इसे ठीक कर सकते थे। सीजेआई ने कहा कि 'सबसे उचित मंच' विधि आयोग होगा।

पीठ ने कहा, हमारे विचार में याचिकाकताओं के लिए उचित तरीका यह होगा कि वे विधि आयोग जैसे विशेषज्ञ निकाय के पास जाएं, जिसे मौजूदा कानूनों में संशोधन की सिफारिश करने और समय-समय पर नए कानून बनाने की जिम्मेदारी दी गई है। पीठ ने कहा कि वर्तमान में ऐसे विशेषज्ञ निकाय होने के कारण इस समय याचिका पर विचार करने का कोई कारण नहीं है। पीठ ने याचिका को खारिज कर दिया, लेकिन याचिकाकताओं को विधि आयोग के पास जाने की अनुमति दी।

ऊर्जा संकट पर बहस: राहुल गांधी ने संसद में उठाया एलपीजी और तेल संकट का मुद्दा

ट्रंप के बयान पर केंद्र पर भड़के राहुल गांधी

राहुल गांधी ने आगे कहा कि मुश्किलें अभी बस शुरू हुई हैं। रेस्तरां बंद हो रहे हैं। एलपीजी को लेकर लोगों में घबराहट फैल रही है। सड़क पर सामान बेचने वाले लोग प्रभावित हो रहे हैं और जैसा मैंने कहा, यह सिर्फ शुरूआत है। किसी भी देश की बुनियाद उसकी ऊर्जा सुरक्षा होती है और मैं यह बात हल्के में नहीं कह रहा हूं, लेकिन अमेरिका को यह तय करने देना कि हम तेल किससे खरीदेंगे, गैस किससे खरीदेंगे, क्या हम रूस से तेल खरीद सकते हैं या नहीं और अलग-अलग तेल आपूर्तिकर्ता देशों के साथ हमारे संबंध कैसे होंगे, यह सब मानो सौदे में दे दिया गया है। ट्रंप के बयान को लेकर राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मेरे लिए यह हमेशा एक बहुत उलझाने वाली बात रही है कि भारत जैसा बड़ा देश किसी दूसरे देश को यह तय करने क्यों देगा कि हम किससे तेल खरीदें। क्यों किसी दूसरे देश के राष्ट्रपति हमें अनुमति दें कि हम रूस से तेल खरीद सकते हैं या नहीं और हमारे अंतरराष्ट्रीय संबंध कैसे होंगे। यह मेरे लिए एक पहेली रही है और मैं इस पहेली को समझने की कोशिश कर रहा हूं।

नई दिल्ली। लोकसभा में गुरुवार को ईरान-इस्राइल युद्ध के चलते पैदा हुए उर्जा संकट पर राहुल गांधी ने सरकार पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने ईरान युद्ध का उल्लेख करते हुए कहा कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद है। देश में एलपीजी को लेकर संकट है। स्ट्रीट वेंडर्स पर ज्यादा प्रभाव पड़ा है। अमेरिका कौन होता है हमें यह बताने वाला कि हम किससे तेल खरीदेंगे, किससे गैस खरीदेंगे? छोटे व्यापारी परेशान हो रहे हैं।

राहुल गांधी में सदन में कहा कि हर कोई जानता है कि पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू हो गया है। संयुक्त राज्य अमेरिका, इस्राइल और ईरान के बीच युद्ध चल रहा है। इस युद्ध के दूरगामी परिणाम होने वाले हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य से दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत तेल गुजरता है, उस मुख्य समुद्री रास्ते को बंद कर दिया गया है। इसका बहुत बड़ा असर पड़ेगा, खासकर हमारे देश पर, क्योंकि हमारे तेल और प्राकृतिक गैस का बहुत बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से आता है। राहुल गांधी ने कहा, मैंने इस पहेली को समझ लिया है और यह पहेली समझौते से जुड़ी हुई है। यहां हमारे बीच एक सज्जन बैठे हैं जो पेट्रोलियम मंत्री हैं। उन्होंने खुद कहा है कि वह मिस्टर एपस्टीन के दोस्त हैं। गांधी ने कहा, मेरे पास एक दस्तावेज है, जिससे पता चलता है कि उनकी (पुरी की) बेटी को जॉर्ज सोरोस से पैसे मिले हैं। राहुल गांधी के इसी बयान पर लोकसभा में हंगामा हो गया। राहुल गांधी के इस बयान के बाद संसद में भारी हंगामा शुरू हो गया। ट्रेजरी बेंच की ओर से हंगामा शुरू हो गया। स्पीकर ने राहुल गांधी को टोकते हुए कहा कि आपने नोटिस कुछ और दिया है। नोटिस बोलिए, नियम से परे बोलने की इजाजत किसी को नहीं दी जाएगी।

चुनावी ड्यूटी पर सीआरपीएफ जवान बेहाल
खुले में हथियार घर, पानी की किल्लत
कमांडेंट को लेना पड़ा होटल

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े केंद्रीय अर्धसैनिक बल 'सीआरपीएफ' की दो कंपनियों के जवान, जिन्हें असम के जोरहाट में चुनावी ड्यूटी के लिए भेजा गया था, बेहाल हो गए हैं। वजह, वहां पर जवानों को मूलभूत सुविधाएं भी नहीं मिल पा रही हैं। पीने और नहाने के पानी की किल्लत है। यहां तक कि हथियार रखने के लिए स्ट्रॉंग रूम 'कोत' जैसी कोई व्यवस्था तक नहीं है। अस्थायी तौर पर बाथरूम का निर्माण, पन्नी की मदद से किया गया है। एडहॉक कमांडेंट को पिछले एक माह से होटल में ठहरना पड़ रहा है।

रेलवे वर्कशॉप की जमीन पर ठहराया गया

सीआरपीएफ के एडहॉक कमांडेंट ने आधी अधूरी व्यवस्थाओं की शिकायत 11 मार्च को महानिरीक्षक पूर्वोत्तर सेक्टर (स्टेट फोर्स कॉर्डिनेटर), महानिरीक्षक जोरहाट, उप महानिरीक्षक (परिचालन) और महानिदेशालय रेंज, खटखटी को दी है। शिकायत की प्रति अमर उजाला डॉट कॉम के पास मौजूद है। सीआरपीएफ की एडहॉक 331 बटालियन की दो कंपनियां 'डी 216', 'ई 216' एवं 'डेट 331' (डिटेचमेंट टुकड़ी, जिसे छोटा हेडक्वार्टर भी कहा जाता है), को मरयानी रेलवे स्टेशन की जमीन पर ठहराया गया है। यहां पर जो हाल बना है, वह रेलवे का वर्कशॉप है। इस हॉल में पंखे तक नहीं लगे हैं। लाइट की उचित सुविधा नहीं है। मोबाइल चार्ज करने की व्यवस्था भी नहीं है।

कमांडेंट को इसलिए लेना पड़ा होटल

चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार, जवानों को रहने के लिए सुरक्षित एवं बुनियादी सुविधाओं से लैस जगह मिलनी चाहिए, लेकिन यहां पर ऐसा कुछ नहीं है। एडहॉक कमांडेंट को जो आवास दिया गया, उसमें न्यूनतम सुविधाएं भी नहीं मिली। कंबल, चद्दर, बाल्टी, मग, बेड और टेबल कुर्सी आदि तक नहीं है। रैंक के अनुरुप एडहॉक कमांडेंट को जो सुविधाएं मुहैया करानी चाहिए थीं, वे प्रदान नहीं की गई। नतीजा, एडहॉक कमांडेंट को 10 फरवरी से 11 मार्च तक स्वयं के खर्च पर एक होटल में ठहरना पड़ा। 'डेट' के कार्यालय एवं अधिकारियों के दफ्तर के लिए कोई रूम उपलब्ध नहीं कराया गया, जबकि अग्रिम व्यवस्था और लोकल प्रशासन के साथ समन्वय करने की जिम्मेदारी 'डेट' की होती है।

हथियार रखने वाली जगह तक नहीं

सीआरपीएफ की दोनों कंपनियों के कोत 'हथियार रखने वाली जगह' के लिए कोई भी कमरा मुहैया नहीं कराया गया। इसके चलते हथियारों की सुरक्षा के संबंध में जारी अनुदेशों की पूर्ण अनुपालना संभव नहीं हो रही। पन्नी से बने बाथरूमों में पानी, दरवाजे व लाइट की सुविधा नहीं है। कुल 20 टॉयलेट बनाए गए हैं, जिनमें 10 इंडियन व 10 वेस्टर्न टॉयलेट हैं। इनमें फ्लश तक उपलब्ध नहीं है। जवानों को पीने का पानी 'जार' के हिसाब से मुहैया करा जा रहा है। प्रति कंपनी 15 जार दिए गए हैं। गर्मी के मौसम में यह संख्या काफी कम है। नहाने के पानी की भी समुचित व्यवस्था नहीं है।

किसानों के सहयोग से हरनंदीपुरम योजना को मिली रफ्तार
लगभग 7 हेक्टेयर भूमि के लिए किसानों ने दी सहमति, अब तक करीब 130 हेक्टेयर भूमि पर सहमति प्राप्त

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की सबसे महत्वाकांक्षी आवासीय परियोजना 'हरनंदीपुरम' अब धरातल पर तेजी से उतरती दिख रही है। क्षेत्र के किसानों और प्राधिकरण के बीच बढ़ते भरोसे के परिणामस्वरूप, आज योजना को एक और बड़ी सफलता मिली। विभिन्न गांवों के किसानों ने एकजुट होकर लगभग 7 हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि के लिए अपने सहमति पत्र उपाध्यक्ष को सौंप दिए हैं।

प्राधिकरण कार्यालय में आज हुए एक सकारात्मक संवाद के बाद, हरनंदीपुरम योजना के लिए अब तक कुल 130 हेक्टेयर भूमि पर किसानों की आधिकारिक सहमति प्राप्त हो चुकी है। गौरतलब है कि इसमें से 82 हेक्टेयर भूमि की रजिस्ट्री (बैनामा) आपसी समझौते के आधार पर पहले ही की जा चुकी है। भूमि अधिग्रहण की यह पारदर्शी प्रक्रिया निरंतर जारी है, जिससे आने वाले दिनों में और भी तेजी आने की उम्मीद है।

हरनंदीपुरम योजना को गाजियाबाद के भविष्य के रूप में देखा जा रहा है। इस परियोजना की मुख्य विशेषताएं निम्नलिखित हैं:

विशाल क्षेत्रफल: इसे 500 हेक्टेयर से अधिक भूमि पर विकसित करने का लक्ष्य है।

विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा: आधुनिक आवासीय सेक्टर, सड़कों का जाल, और अत्याधुनिक सामुदायिक सुविधाएं।

हरियाली पर जोर: योजना के एक बड़े हिस्से में पार्क और हरित क्षेत्र विकसित किए जाएंगे।

आर्थिक सहयोग: उत्तर प्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण योजना के तहत इस प्रोजेक्ट के लिए 400 करोड़ रुपए की राशि पहले ही जारी कर दी है।

जीडीए उपाध्यक्ष ने किसानों का आभार व्यक्त करते हुए भरोसा दिलाया कि इस योजना के विकसित होने से न केवल शहर का विस्तार होगा, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार और बुनियादी सुविधाओं में भी भारी वृद्धि होगी। वहीं, किसानों ने भी क्षेत्र के संतुलित विकास के लिए प्राधिकरण को हर संभव सहयोग देने की प्रतिबद्धता दोहराई है।

सीबीआई की बड़ी कार्रवाई: ऑनलाइन धोखाधड़ी मामले में 4 राज्यों के 15 ठिकानों पर छापेमारी; 900 करोड़ का घोटाला

नई दिल्ली। सीबीआई ने बुधवार को विदेशी फिनटेक प्लेटफार्म पीवाईपीएल से जुड़े आनलाइन धोखाधड़ी मामले में दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और पंजाब के 15 स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। सीबीआई ने बताया कि फर्जी आनलाइन योजनाओं के माध्यम से हजारों भारतीय नागरिकों से करोड़ों रुपये की ठगी की गई। सीबीआई अब गिरोह के सरगना चार्टर्ड अकाउंटेंट अशोक कुमार शर्मा की हिरासत की मांग कर रही है। अशोक शर्मा को हाल ही में ईडी ने गिरफ्तार किया था। केंद्रीय गृह मंत्रालय की साइबर अपराध विरोधी शाखा आइ4सी ने यह मामला सीबीआई को सौंपा था। इसके बाद एजेंसी ने मामला दर्ज कर तलाशी अभियान चलाया। जांचकताओं के अनुसार, अशोक शर्मा दिल्ली-गुरुग्राम सीमा पर स्थित बिजवासन में अपने कार्यालय से धोखाधड़ी वाली निवेश योजनाओं, साइबर धोखाधड़ी, अवैध क्रिप्टोकरेंसी लेनदेन और विदेशों से निकासी और विदेशी फिनटेक प्लेटफार्म से जुड़े नौकरी धोखाधड़ी सहित एक बड़े पैमाने पर संगठित घोटाला चला रहा था, जिसे 'बिजवासन समूह' के नाम से जाना जाता था। गिरोह के लोग पिछले वर्ष ही पीड़ितों से 900 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की। एजेंसी ने बताया कि अब तक पहचानी गई 15 फर्जी कंपनियों के नेटवर्क के माध्यम से इस रकम को मनी लॉड्रिंग के जरिए भेजा गया था।सीबीआई के एक अधिकारी ने बताया कि जांच में पता चला कि यह गिरोह इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म, मोबाइल एप और एन्क्रिप्टेड मैसेच्जग सेवाओं का इस्तेमाल करके पीड़ितों को आनलाइन निवेश और पार्टटाइम नौकरी के अवसरों से उच्च लाभ का लालच देता था।

सीईसी के पद से हटाए जा सकेंगे ज्ञानेश कुमार?: 200 से अधिक सांसदों ने नोटिस पर किए हस्ताक्षर, क्या है नियम

नई दिल्ली। लोकसभा के 130 और राज्यसभा के 63 सांसदों ने एक नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग की गई है। एक सूत्र ने गुरुवार को यह जानकारी दी। सूत्र के मुताबिक, इस नोटिस को कल किसी एक सदन में जमा किया जा सकता है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि किस सदन में सौंपा जाएगा। इस बीच, विपक्ष के एक नेता ने कहा कि सांसदों ने नोटिस पर हस्ताक्षर करने में काफी उत्साह दिखाया है। आवश्यक संख्य पहले ही पूरी हो जाने के बावजूद गुरुवार को कई सांसद इस नोटिस पर हस्ताक्षर करने के लिए आगे आए।

क्या कहता है नियम?

नियम के मुताबिक, सीईसी को पद से हटाने के लिए लोकसभा के कम से कम 100 सांसदों के हस्ताक्षर होने जरूरी हैं। वहीं, राज्यसभा के 50 सांसदों के हस्ताक्षर जरूरी हैं।

आम आदमी पार्टी के सांसदों ने भी किए हस्ताक्षर

सूत्र ने बताया कि नोटिस पर इंडिया ब्लॉक के राजनीतिक दलों के सदस्यों ने हस्ताक्षर किए। एक अन्य सूत्र ने कहा, आम आदमी पार्टी (आप) के सांसदों ने भी इस नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं, जबकि आप अब इंडिया ब्लॉक का हिस्सा नहीं है।

यह पहली बार है, जब किसी मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने के लिए नोटिस दिया जा रहा है। एक उच्च पदस्थ सूत्र के मुताबिक, मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ सात आरोप लगाए गए हैं। इनमें पद पर रहते हुए पक्षपाती और भेदभावपूर्ण आचरण से लेकर चुनावी धोखाधड़ी की जांच में जानबूझकर बाधा डालने और बड़े पैमाने पर लोगों को मताधिकार से वंचित करने जैसे आरोप शामिल हैं। विपक्ष दल कई बार मुख्य चुनाव आयुक्त पर आरोप लगा चुके हैं कि वह सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मदद करते हैं, खासकर जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के संबंध में। इसके बारे में उनका आरोप है कि इसका मकसद भाजपा की मदद करना है।

मौजूदा एलपीजी संकट और लोगों को हो रही परेशानी के लिए मोदी सरकार की नीतियां जिम्मेदार: सतीश शर्मा डासना

गाजियाबाद, करंट क्राइम। मौजूदा एलपीजी समस्या के लिए कांग्रेस ने मोदी सरकार की नीतियों को जिम्मेदार ठहराया है। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा डासना ने कहा कि मोदी सरकार की जन विरोधी नीतियों से रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में भयंकर आग लगी है। मध्य पूर्व एशिया में चल रहे युद्ध को देखते हुए दूसरे देशों ने पहले से ही समस्या से निपटने की तैयारी कर ली थी लेकिन मोदी सरकार गहरी नींद में सोई हुई थी अब जब गैस सिलेंडरों की कमी हो गई तो सरकार ने घरेलू कुकिंग गैस सिलेंडर का दाम 60 रुपए और कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 115 रुपए बढ़ा दी गई। उन्होंने कहा कि देश में एलपीजी सिलेंडरों की कमी हो गई है लेकिन सरकार इसे छुपा रही है। जगह-जगह गैस गोदामों में एक तरफ ताले लगा दिए गए हैं तो दूसरी तरफ कालाबाजारी और जमाखोरी बेलगाम हो गई है। दिल्ली समेत तमाम जगहों पर घरेलू कुकिंग गैस सिलेंडर के दाम ब्लैक में 2500 रुपए वसूले जा रहे हैं। दूसरी तरफ कई - कई घंटे लंबी लाइन में लगने के बाद भी उपभोक्ताओं को बिना सिलेंडर दिये खाली हाथ लौटाया जा रहा है। इससे त्रस्त जनता में हा-हाकार मचा है। तमाम शहरों में होटल और रेस्टोरेंट बंद हो गए हैं।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष ने कहा कि गैस सिलेंडरों की किल्लत से भूखमरीऔर बेरोजगारी का पैदा हो जाएगा। गरीब मजदूर और मध्यम वर्ग का बजट लड़खड़ा गया है। सबसे ज्यादा दुखी महिलाएं हैं। क्योंकि रसोई का काम उन्हें ही करना होता है। उन्होंने कहा कि मैं मोदी सरकार से क्या महिलाओं का दर्द मोदी सरकार को दिखाई नहीं देता। क्या मोदी सरकार अब कुकिंग गैस की जगह नाली की गैस की आपूर्ति कराएंगे। जिलाध्यक्ष ने कहा कि ईरान - इसराइल युद्ध को 15 दिन हो गए हैं। मोदी सरकार को इस युद्ध के कारण देश पर पड़ने वाले असर की जानकारी थी फिर भी मोदी सरकार आंखें मूंदे बैठी रही। देश आर्थिक मंदी की चपेट में आ गया है। लेकिन पता नहीं कहां सोया है चौकीदार। युद्ध कब खत्म होगा, पता नहीं। लेकिन हफ्ते दस दिन भी और चला तो देश के हालात बद से बदतर हो जाएंगे। क्या मोदी सरकार उस स्थिति का इंतजार कर रही है। कांग्रेस पार्टी सरकार से मांग करती है कि गैस की कीमतों में की गई जबरदस्त वृद्धि को तुरंत वापस लिया जाए।

अविश्वास प्रस्ताव पर ओम बिरला: लोकतंत्र में मजबूत विपक्ष जरूरी, नेता प्रतिपक्ष को कभी नहीं रोका; नियम सबसे ऊपर

नई दिल्ली। लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के बाद आज पहली बार आसन पर आए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में मजबूत विपक्ष का होना अत्यंत आवश्यक है और नेता प्रतिपक्ष को कभी नहीं रोका गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि संसद के नियम सर्वोपरि हैं और कोई भी व्यक्ति नियम से ऊपर नहीं है, चाहे वह प्रधानमंत्री ही क्यों न हों।

ओम बिरला ने बताया कि सदन में पिछले दो दिनों में 12 घंटे से अधिक बहस हुई, ताकि सभी सदस्यों के विचार और चिंताएं सामने आ सकें। उन्होंने कहा यह सदन 140 करोड़ लोगों का प्रतिनिधित्व करता है। यहां हर सांसद अपनी जनता की समस्याओं और अपेक्षाओं के साथ आता है। मैंने हमेशा कोशिश की कि हर सांसद नियमों के तहत अपनी बात रखे। मैं हर उस सांसद को बोलने के लिए प्रेरित करने का प्रयास करता रहा जो कम बोलते थे, क्योंकि बोलने से लोकतंत्र का संकल्प मजबूत होता है।

हर सदस्य का आभारी हूं- ओम बिरला

उन्होंने सदन को विचारों का जीवंत मंच बताते हुए कहा कि पिछले दो दिन में सभी सदस्यों की बातों को गंभीरता से सुना गया। हर सदस्य का आभारी हूं, चाहे वे आलोचक ही क्यों न रहे हों। यही विशेषता है कि यहां हर आवाज सुनी जाती है। यह आसन किसी व्यक्ति का नहीं है, यह लोकतंत्र की महान भावना का प्रतिनिधि है।

ओम बिरला ने विपक्ष की शिकायतों का भी जवाब दिया। कुछ सदस्यों का कहना था कि नेता प्रतिपक्ष को बोलने से रोका जाता है। इस पर उन्होंने कहा मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि कोई भी हो, उसे सदन में नियमों के तहत बोलने का अधिकार है। कुछ लोगों का मानना था कि सदन के नेता हर नियम से ऊपर हैं। मैं साफ कर दूं कि ऐसा नहीं है। ये नियम मुझे विरासत में मिले हैं और इन्हें पालन करना अनिवार्य है। चाहे प्रधानमंत्री ही क्यों न हों, नियम 372 के तहत उन्हें पहले अध्यक्ष से अनुमति लेना अनिवार्य है। जब कोई सदस्य इस सदन की मयार्दा के खिलाफ जाते हैं तो मुझे कठोर निर्णय लेने की व्यवस्था देनी पड़ती है। नियमों के तहत किसी भी सदस्य को सदन में बोलने की आजादी तो है, लेकिन नियमों की सीमा में रहकर।

उन्होंने कहा कि चर्चा के दौरान कुछ लोगों ने माइक बंद करने का आरोप लगाया। चेयर के पास माइक बंद करने का बटन नहीं होता। विपक्ष में कई लोग इस चेयर पर बैठते हैं, उन्हें इसके बारे में पता है।

ओम बिरला ने कहा कि महिला सदस्यों को लेकर भी आरोप लगाया गया कि उन्हें मौका कम दिया जाता है। लेकिन मुझे इस बात का गर्व है कि मेरे कार्यकाल में सभी महिला सदस्यों ने अपने विचार रखे हैं। बजट पर चर्चा के दौरान कुछ महिला सदस्यों ने ट्रेजरी बेंच की तरफ जाकर नारेबाजी करने की कोशिश की। यह अप्रत्याशित घटना थी, इसलिए मैंने सदन में सत्ता पक्ष के नेता को सदन में न आने का आग्रह किया। मेरी कोशिश रहती है कि भले ही देर रात तक बैठना हो, मैं सबके बोलने के बाद ही सदन से जाता हूं। मुझे खुशी है कि जो भी सदन में बोलना चाहता था, उसे एक साल के अंदर ही मैंने बोलने का मौका दिया।

निलंबन का विषय भी कुछ सदस्यों ने उठाया है। मेरा दल से ऊपर उठकर सभी सदस्यों से व्यक्तिगत संबंध आज भी है। लेकिन सदन की व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी भी मेरी है। हमें विचार करना होगा कि इस सदन को निलंबन जैसे कठोर निर्णय क्यों लेने पड़े। मैं अक्सर आग्रह करता हूं कि सदन की गरिमा बनी रहे। लेकिन जब सदन के सदस्य नहीं मानते, तो सदन स्थगित करना पड़ता है।

तनावपूर्ण हालात में होर्मुज से गुजरा भारत का तेल टैंकर, 1.35 लाख टन कच्चा तेल लेकर पहुंचा मुंबई

1.35 लाख टन कच्चा तेल लेकर पहुंचा जहाज

यह जहाज लगभग 1,35,335 मीट्रिक टन कच्चा तेल लेकर आया है। यह तेल मुंबई के पूर्वी हिस्से माहुल में स्थित रिफाइनरियों को भेजा जाएगा। तेल उतारने की प्रक्रिया में लगभग 36 घंटे लगने की संभावना है। यह जहाज शेनलोंग शिपिंग लिमिटेड का है और इसका प्रबंधन एथेंस की कंपनी डाइनाकॉम टैंकर मैनेजमेंट लिमिटेड कर रही है। जहाज पर कुल 29 क्रू सदस्य हैं, जिनमें भारत, पाकिस्तान और फिलीपींस के लोग शामिल हैं। जहाज के कप्तान भारतीय हैं।

नई दिल्ली। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़े तनाव के बीच एक कच्चे तेल का टैंकर होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर भारत पहुंच गया है। यह जहाज बुधवार को मुंबई बंदरगाह पहुंचा।

समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक लाइबेरिया के झंडे वाला तेल टैंकर 'शेनलोंग सुएजमैक्स' दोपहर करीब 1 बजे मुंबई पोर्ट पर पहुंचा और शाम 6 बजकर 6 मिनट पर जवाहर द्वीप टर्मिनल पर खड़ा किया गया। यह टैंकर 1 मार्च को सऊदी अरब के रास तनुरा बंदरगाह से कच्चा तेल लेकर रवाना हुआ था और 3 मार्च को वहां से चला था।

होर्मुज से गुजरते समय बंद किया ट्रैकिंग सिस्टम

समुद्री ट्रैकिंग डेटा के अनुसार यह जहाज 8 मार्च को होर्मुज जलडमरूमध्य में देखा गया था, लेकिन कुछ समय के लिए यह ट्रैकिंग सिस्टम से गायब हो गया। रिपोर्ट के मुताबिक जहाज ने इस संवेदनशील इलाके से गुजरते समय अपना ऑटोमैटिक आइडेंटिफिकेशन सिस्टम (एआईएस) बंद कर दिया था। ऐसा अक्सर जहाजों को निशाना बनने या ट्रैक होने के खतरे से बचाने के लिए किया जाता है।

खतरनाक क्षेत्र पार करने के बाद यह जहाज 9 मार्च को फिर से ट्रैकिंग सिस्टम पर दिखाई दिया। जहाज की पहचान, स्थिति, गति और दिशा बताने के लिए एआईएस ट्रांसपोंडर एक जरूरी समुद्री रेडियो सिस्टम होता है।

इससे पहले ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की नौसेना के कमांडर अलीरेजा तंगसिरी ने कहा था कि होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों को तेहरान से अनुमति लेनी होगी।

13 Mar -26 page 3 12-03-26 10:34 PM Page 1

दैनिक

करंट क्राइम

www.currentcrime.com

सिर्फ सच...

03 ● नई दिल्ली | शुक्रवार 13 मार्च -2026 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

करंट क्राइम — ट्वीट का करंट

श्री दूधेश्वर नाथ मठ मंदिर में हुआ 6 करोड़ की लागत से निर्मित विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास

मंदिर परिसर में अब श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध होंगी और बेहतर सुविधाएं

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने शनिवार को दूधेश्वर नाथ मठ मंदिर परिसर में लगभग 6 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु और क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

धार्मिक स्थलों के विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध

करंट क्राइम। कार्यक्रम में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश के धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के संरक्षण और विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। दूधेश्वर नाथ मठ मंदिर की आस्था पूरे क्षेत्र से जुड़ी हुई है और इसके विकास से श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि मंदिर के विकास से धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। मंत्री ने यह भी कहा कि भविष्य में मंदिर परिसर में यदि किसी प्रकार के अन्य विकास कार्यों की आवश्यकता होगी तो अवश्य बताया जाए, सरकार हर संभव प्रयास कर उन कार्यों को पूरा कराएगी।

धार्मिक पहचान को और मजबूती मिलेगी

करंट क्राइम। कार्यक्रम में सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार मिलकर धार्मिक स्थलों के विकास को प्राथमिकता दे रही है। दूधेश्वर नाथ मठ मंदिर का विकास गाजियाबाद के लिए गर्व की बात है और इससे शहर की धार्मिक पहचान और अधिक मजबूत होगी।

आस्था और विकास दोनों को साथ लेकर चल रही सरकार

करंट क्राइम। शहर विधायक संजीव शर्मा ने मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मंदिर के विकास के लिए दी गई यह धनराशि क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के लिए बेहतर व्यवस्थाएं उपलब्ध होंगी और आने वाले समय में यह स्थल धार्मिक पर्यटन का प्रमुख केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश की सरकार आस्था और विकास दोनों को साथ लेकर चल रही है। इस अवसर पर महंत नारायण गिरी महाराज, महंत गिरीशआनंद महाराज, पंडित महेश वशिष्ठ, पप्पू पहलवान, गोपाल अग्रवाल, राजेश शर्मा, महिम गुप्ता, धर्मेंद्र चौधरी, वरुण नागर, हेमराज माहौर, पवन शर्मा सहित बड़ी संख्या में पार्षद, भाजपा कार्यकर्ता और क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

जब पूर्व मेयर बोले काश चार महीने पहले कर देतीं यही घोषणा मेयर

सपा को ना मिलता प्रदर्शन का मौका और संदेश भी जाता फेयर

गाजियाबाद, करंट क्राइम। मेयर सुनीता दयाल ने हाउस टैक्स मामले में मास्टर स्ट्रोक मारा है। निगम प्रशासन इस मामले में शासन की बात कह रहा था और मेयर सुनीता दयाल ने शासन तक पहुंच कर ही पूरी बात रखी। वो लखनऊ से वापस लौटीं और उन्होंने घोषणा की कि शासन में बात हो गई है और पुरानी दरों पर टैक्स वसूला जायेगा। मेयर की सर्वत्र प्रशंसा हो रही है और सब कह रहे कि मेयर सुनीता दयाल ने माहौल ही बदल दिया है। जनप्रतिनिधियों से लेकर जनता तक उनकी तारीफ हो रही है। पूर्व मेयर अशु वर्मा ने कर की दरों को लेकर सवाल उठाया था। उन्होंने ये मुद्दा भी उठाया था किवो अपने भवन का कर जमा करना चाहते हैं और यहां विरोधाभास है। मेयर ने कहा छूट मिलेगी और विंडो पर मौजूद कर्मचारी ने कहा साफ्टवेयर इस रेट का है। कोर्ट का फैसला आया और पूर्व मेयर अशु वर्मा ने जनता से हाथ जोड़कर माफी मांगी और कहा कि हम जनता को राहत नहीं दिला सके। इन सबके बीच जब मेयर सुनीता दयाल ने इस पूरे मामले को एक झटके में क्लीन स्वीप किया तो यहां पर पूर्व मेयर अशु वर्मा ने भी उनकी जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मेयर निगम की सर्वोच्च नेता हैं और निसंदेह रूप से उन्होंने ऐसा कदम उठाया है कि इसकी तारीफ होनी चाहिए। हाउस टैक्स मुद्दे पर उन्होंने सारा श्रेय महापौर सुनीता दयाल को दिया। लेकिन पूर्व मेयर अशु वर्मा ने कहा कि सबकुछ फेयर है लेकिन हमारा ये कहना है कि यदि मेयर सुनीता दयाल इसी काम को चार या छह महीने पहले कर लेतीं तो समाजवादी पार्टी को हमारे खिलाफ प्रदर्शन करने का मौका नहीं मिलता। अगर यही काम पहले हो जाता तो गली मौहल्लों में हमारे खिलाफ बैनर ना लगते।

यही काम पहले हो जाता तो बाजारों में व्यापार मंडल वाले हमारा विरोध ना करते। लेकिन देर आये दुरूस्त आये। उन्होंने कहा कि महापौर निगम की सर्वोच्च नेता हैं और उनके नेतृत्व में ये एक बड़ी राहत मिली है। यहां पर पूर्व मेयर अशु वर्मा ने कहा कि मेरा एक नम्र निवेदन यह भी है कि जो भी कम्प्यूटर सिस्टम है उसे अपडेट किया जाये। ये अपग्रेडेशन ऐसा हो कि जनता को टेंशन ना हो। अपग्रेड यही है कि पुरानी दरों पर ही टैक्स का स्लैब फीड हो। जब जनता के लोग टैक्स जमा कराने जायें तो उन्हें निराशा हाथ ना लगे। यही हो रहा है कि लोग जा रहे हैं और निराश हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुरानी दरों पर सिस्टम अपडेट हो जाये और इस बात को लेकर भी सीन स्पष्ट हो कि जो लोग नई दरों के हिसाब से टैक्स जमा करा चुके हैं। उनके बकाया भुगतान को क्या एडजस्ट किया जायेगा या रिफंड किया जायेगा। अतिशीघ्र ये स्थिति स्पष्ट हो और सिस्टम अपडेट हो। उन्होंने दोहराया कि अगर शासन तक यही बात पहले पहुंचती तो जनता के बीच संदेश मजबूत जा सकता था। उन्होंने कहा कि फिर भी मेयर सुनीता दयाल ने एक साहसिक कदम उठाया। दृढ़ता के साथ शासन के समक्ष जनता की बात रखी। हम सब इसके लिए उनके आभारी हैं।

किस विधायक ने डाल दिया संगठन की स्टोरी में ट्विस्ट

कहा, संगठन की टीम से पहले आयेगी नामित वाली लिस्ट

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राजनीति में पद होता है तो कद होता है। राजनीति में हर कोई टीम में आना चाहता है और जो आना चाहते हैं वो जानते हैं कि खिलाड़ी वही माना जाता है जो टीम में किसी दायित्व का पालन करता है। देवतुल्य तो हजारों हैं लेकिन बहारों वाली बात टीम में आने पर ही आयेगी। टीम की घोषणा को लेकर पर्यवेक्षक आ चुके हैं नाम ले जा चुके हैं। दिल्ली टू लखनऊ फोन हो चुके हैं। अब टीम का इंतजार है और ये संभावना है कि मार्च में पता चला जायेगा कि कौन किस पद पर सुशोभित किया गया है। भगवा दल में जिधर जाओ वहीं महानगर टीम को लेकर चर्चा होती है। सब जानना चाहते हैं कि लिस्ट कब आ रही है। सूत्र बताते हैं कि एक भगवा विधायक ने महानगर की घोषणा वाले सीन में ट्विस्ट ला दिया है। उन्होंने कहा कि महानगर की लिस्ट से पहले नामित पार्षदों वाली लिस्ट आयेगी। विधायक जी के मुखमंडल से इन शब्दों को सुनकर सब चौंक गये।

विधायक जी संगठन के सतही जानकार हैं और राजनीति पर मजबूत पकड़ है। बताया जाता है कि विधायक जी को संगठन सिस्टम का पूरा ज्ञान है। जब बात कहीं महानगर की लिस्ट को लेकर चली तो विधायक जी ने स्पष्ट किया कि मेरी बात नोट कर लो। सबसे पहले नामित वाली लिस्ट आयेगी और उसके बाद महानगर की टीम आयेगी। विधायक जी ने ये भी अपडेट किया कि ये लिस्ट इस महीने भी आ सकती है और अगले महीने भी आ सकती है। सूत्र बताते हैं कि विधायक जी ने ये भी स्पष्ट कर दिया कि पहले नामित वाली लिस्ट आयेगी और उसके बाद महानगर वाली संगठन लिस्ट की घोषणा होगी।

जब महंत जी ने किया एनकाउंटर से बचाने वाले किस्से का खुलासा

तब कैबिनेट मंत्री बोले, 14 वर्ष की उम्र में ही प्रदीप चौहान ने उठा लिया था भाजपा का झंडा

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राजनीति में कुछ नाम ऐसे होते हैं जो अपनी कर्मभूमि को खुद विकसित करते हैं। उन्हें सियासत किसी विरासत में नहीं मिलती है और संघर्ष उनकी सियासी जीवन यात्रा का सबसे बड़ा गवाह होता है। राजनीतिक उतार चढ़ाव की बात करें और राजनीतिक समर्पण की बात करें तो भाजपा का एक चेहरा ऐसा है जिसने विपक्षी सरकारों में भाजपा का झंडा बुलंद रखा है। उतार चढ़ाव देखे हैं। विरोधी देखे हैं अपने देखे हैं और एक पूरा युग भाजपा का देखा है। ये चेहरा प्रदीप चौहान बाल्मीकि का है। तीन दशक पुराने फोटो भी इस बात की गवाही देते हैं कि जब लोग अपना सियासी शिजरा बतानेसे भी डरते थे तब प्रदीप चौहान जैसे कार्यकर्ता आंदोलनों में विपक्षी सरकारों से लड़ते थे। आज जो हिंदुत्व के चेहरे है उनको खबर भी नहीं होगा कि प्रदीप चौहाने हिंदुत्व का झंडा उस समय उठाया था जब कोई केसरिया वीर दूर दूर तक भाजपा में नहीं दिखाई देता था। ये बात भी उनकी जुबान पर आई जिन्होंने धर्म, आध्यात्म और हिंदुत्व को ही अपना जीवन समर्पित किया है। एक चेहरा पूरी तरह से धार्मिक और आध्यात्मिक है और दूसरा चेहरा पूरी तरह से धार्मिक, राष्ट्रवाद और राजनीति से जुड़ा है। ये चेहरे श्री दूधेश्वरनाथ मठ मंदिर के महंत नारायण गिरी और उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा के हैं।

गुरूवार को श्री दूधेश्वर नाथ मंदिर में सरकार में मंत्री जयवीर सिंह को आना था। साहिबाबाद विधायक और कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा पूजा अर्चना का भाव मन में लेकर मंदिर के भीतर तय कार्यक्रम के समय से पहले पहुंचे। यहां पर भाजपा अनुसूचित मोर्चा के क्षेत्रीय महामंत्री तथा पूर्व पार्षद प्रदीप चौहान भी मौजूद थे। प्रदीप चौहान भाजपा के उस हिंदुत्व का चेहरा है जो तब उदय हुआ था जब यहां हिंदुत्व की लहर नहीं आई थी। जब यहां सपा और बसपा की सरकारें थी। तब यहां भाजपा आंदोलन की जमीन तैयार कर रही थी और प्रदीप चौहान जैसे चेहरों ने भाजपा के लिए लाठियां भी खाईं और जेल भी गये। पुराने दिनों की याद हो रही थी तो यहां पर श्री दूधेश्वर नाथ मठ मंदिर के महंत नारायण गिरी ने प्रदीप चौहान बाल्मीकि को देखा और कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा से कहा कि इनका भी क्रान्तिकारी इतिहास है। हिंदुत्व के लिए इनका बहुत बड़ा योगदान है। बताया कि किस तरह प्रदीप चौहान ने हिंदुत्व के लिए अपने प्राणों की बाजी लगाने की तैयारी की थी। महंत नारायण गिरी ने उस समय मैंने प्रदीप चौहान बाल्मीकि को एनकांउट से बचवाया था। तत्कालीन सरकार में पुलिस ने इसकी पूरी तैयारी कर ली थी। यह सुनकर कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने भी प्रदीप चौहान बाल्मीकि के भाजपाई समर्पण और उनकी निष्ठा पर मुहर लगाई। उन्होंने भी महंत नारायण गिरी को बताया कि प्रदीप चौहान ने 14 वर्ष की उम्र से भाजपा का झंडा थाम लिया था। अपना सम्पूर्ण सियासी जीवन भाजपा कार्यकर्ता के रूप में बिताया है। महंत नारायण गिरी ने जो बात कही और कैबिनेट मंत्री ने इस बात पर मुहर लगी। और इसी के साथ ये सच्चाई भी सामने आई कि केसरिया लहर तो आज आई है और एक ऐसा भी भाजपाई कार्यकर्ता है जिसने संघर्ष किया और आंदोलनों के साथ अपनी सियासी उम्र भाजपा में बिताई है।

जब उछाल दिया कैबिनेट मंत्री ने चलते-चलते पीएम वाला टॉस

मंत्री जी को सीऑफ करने जा रहे अध्यक्ष के लिए कहा, 'ही इज माई बॉस'

गाजियाबाद, करंट क्राइम। दल कोई सा भी हो नियम एक ही होता है और वो ये है कि संगठन सर्वोपरि होता है। संगठन से सरकार है। संगठन से सरोकार है। संगठन से ही कार्यकर्ता हैं और संगठन से ही चुनाव है। संगठन सर्वोपरि की धारणा को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने शब्दों से बल दिया है। उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर ये स्पष्ट किया था कि ही इज माई बॉस। इसका सार ये था कि मैं भले ही देश का प्रधानमंत्री हूं। अगर पार्टी की बात आयेगी तो मैं भाजपा का कार्यकर्ता हूं और राष्ट्रीय अध्यक्ष हमारे बॉस हैं। प्रधानमंत्री के इन शब्दों को कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने भी आत्मसात किया है। हालांकि वो भाजपा के पुराने देवतुल्य हैं और एक ऐसा चेहरा हैं जिन्हें संगठन से लेकर सरकार तक अनुभव है। जिन्हें चुनाव जीतने से लेकर चुनाव हारने का अनुभव है। अब वो सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं और उनके जीवन का जो सबसे स्वर्णिम अनुभव है वो ये है कि वो पूरे देश में सबसे ज्यादा वोटों से जीतने वाले विधायक हैं। एक ऐसी विधानसभा से लगातार दूसरी बार विधायक हैं जो देश की सबसे बड़ी विधानसभा है। कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा का अपना अंदाज है और वो शब्दों पर बहुत बारीक और मजबूत पकड़ रखते हैं। उन्हें पता है कि किस शब्द का क्या संदेश है।

गुरूवार को श्री दूधेश्वर नाथ मंदिर में कार्यक्रम था और कार्यक्रम समापन के बाद यहां पहुंचे मंत्री जी को सीऑफ करने के लिए कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा उनके साथ जा रहे थे। जब वो जाने लगे तो यहां महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल भी आ गये। मयंक गोयल भी मंत्री जी को सीऑफ करने के लिए उनके साथ साथ चलने लगे। जब महानगर अध्यक्ष चले तो अचानक कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा की उनकी निगाह पड़ी और उन्होंने कहा कि आप रहने दें और ये भी बताया कि यह महानगर अध्यक्ष हैं और इस समय कार्यकर्ता हूं और फिर उन्होंने मयंक गोयल की ओर देखते ही हुए कि ही इज माई बॉस। ये संगठन का सम्मान है और ये कैबिनेट मंत्री का बड़प्पन भी है। लेकिन बॉस वाले टॉस को लेकर अब सब इन शब्दों का अंदाजा भी लगा रहे हैं। सब जानते हैं कि कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा कोई भी बात ऐसे ही नहीं कहते हैं। ये बात ऐसे समय पर निकली है जब महानगर की टीम आनी है और कैबिनेट मंत्री ने ऐसे समय में टीम के कप्तान को अपना बॉस बताया है। बॉस के पीछे क्या बेस है और टीम में कैबिनेट मंत्री के कौन कौन से फेस है, इसको लेकर चर्चा शुरू हो गई है। अब सुनील शर्मा के मुख से निकले बॉस वाले शब्दों के मायने तलाशे जा रहे हैं।

डेढ़ करोड़ के 555 मोबाइल लौटाकर सिटी जोन पुलिस ने बनाया नया रिकॉर्ड

एडिशनल सीपी और डीसीपी सिटी ने दी जालकारी

गाजियाबाद, करंट क्राइम । पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद की सिटी जोन पुलिस ने खोए और चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद करने के मामले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए नया रिकॉर्ड बनाया है। सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर (सीईआईआर) पोर्टल की सहायता से पुलिस ने विभिन्न थानाक्षेत्रों से कुल 555 मोबाइल फोन बरामद कर उनके असली मालिकों को वापस सौंप दिए। इन मोबाइल फोन की अनुमानित कीमत करीब डेढ़ करोड़ रुपये बताई जा रही है। इस संबंध में एडिशनल सीपी केशव चौधरी और डीसीपी सिटी जोन धवल जायसवाल ने गुरुवार को पुलिस लाइन में आयोजित प्रेसवार्ता में जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि गाजियाबाद पुलिस द्वारा मोबाइल बरामदगी के मामलों में यह अब तक की सबसे बड़ी सामूहिक रिकवरी है। बड़ी संख्या में लोगों को उनके मोबाइल फोन वापस मिलने से नागरिकों में पुलिस के प्रति विश्वास और मजबूत हुआ है।

बरामदगी में सिटी कोतवाली और विजय नगर रहे टॉप पर

करंट क्राइम : डीसीपी सिटी जोन धवल जायसवाल ने बताया कि मोबाइल फोन खोने या चोरी होने की शिकायत मिलने के बाद संबंधित मामलों को सीईआईआर पोर्टल पर पंजीकृत कराया गया, जिसके आधार पर तकनीकी सहायता से मोबाइल फोन को ट्रैक कर विभिन्न स्थानों से बरामद किया गया। इसके बाद आवश्यक सत्यापन की प्रक्रिया पूरी कर मोबाइल फोन उनके वास्तविक मालिकों को सौंप दिए गए।

थाना स्तर पर बरामद मोबाइल फोन का विवरण

थाना कोतवाली घंटाघर : 153 मोबाइल	थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक : 36 मोबाइल
थाना विजयनगर : 91 मोबाइल	थाना वेव सिटी : 35 मोबाइल
थाना सिहानी गेट : 71 मोबाइल	थाना कविनगर : 33 मोबाइल
थाना नंदग्राम : 65 मोबाइल	साइबर थाना : 11 मोबाइल
थाना मधुबन बापूधाम : 60 मोबाइल	

इस प्रकार कुल 555 मोबाइल फोन बरामद कर पीड़ितों को वापस लौटाए गए।

बरामद फोन से टेबल पर लिखा 555

करंट क्राइम : पुलिस टीम ने बरामद मोबाइल फोन को मेज पर इस तरह से सजाया था कि दूर से देखने पर 555 की आकृति स्पष्ट दिखाई दे रही थी। अपनी मेहनत के परिणाम को देखकर पुलिसकर्मियों के चेहरों पर संतोष और खुशी साफ झलक रही थी। अधिकारियों ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि यदि किसी का मोबाइल फोन खो जाता है या चोरी हो जाता है तो तुरंत पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए सीईआईआर पोर्टल पर जानकारी दर्ज कराएं, जिससे मोबाइल को ब्लॉक कर उसकी ट्रैकिंग की जा सके और बरामदगी की संभावना बढ़ सके। पुलिस अधिकारियों ने यह भी कहा कि भविष्य में भी इसी तरह तकनीकी सहायता और सक्रिय पुलिसिंग के माध्यम से नागरिकों की खोई संपत्ति को वापस दिलाने का अभियान लगातार जारी रहेगा।

संपादकीय

एफडीआई नियमों में संशोधन

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारत के साथ जमीनी सीमा साझा करने वाले देशों से आने वाले निवेश के संचालन संबंधी नियमों में बदलाव को मंगलवार को मंजूरी दे दी। यह एक समझदारी भरा निर्णय है। बहरहाल, बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था और भू-राजनीतिक माहौल के साथ देश की प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) व्यवस्था में भी बदलाव की आवश्यकता है। केंद्र सरकार ने वर्ष 2020 में प्रेस नोट 3 के माध्यम से उन देशों से आने वाले प्रत्यक्ष विदेशी निवेश पर कड़ा अंकुश लगाया था जिनकी सीमा भारत से लगती है।

उस समय दलील दी गई थी कि ऐसा कोविड-19 महामारी के बीच भारतीय कंपनियों के अधिग्रहण को रोकने के लिए किया गया। इसके परिणामस्वरूप भारत के साथ भू-सीमा साझा करने वाले देशों को केवल सरकारी रास्ते से निवेश की इजाजत दी गई। नीति में बदलाव की एक वजह चीन से आने वाले निवेश को सीमित करना भी था। ऐसा इसलिए क्योंकि सीमा पर तनाव के हालात थे। जब तनाव में कमी आई और महामारी का असर कम हुआ तो भारतीय व्यवसायों ने प्रतिबंधों में ढील की मांग शुरू कर दी। अपनी ओर से, सरकार ने भू-सीमा साझा करने वाले देशों विशेषकर चीन से ऐसे निवेशों की अनुमति दी। ऐपल इंक के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने में मिली सफलता इसका उल्लेखनीय उदाहरण है।

पिछले कुछ वर्षों में आर्थिक वातावरण में हुए बदलावों को देखते हुए सरकार ने नीति की समीक्षा करने का उचित कदम उठाया है। अब इन देशों से 10 फीसदी तक की गैर-नियंत्रक लाभकारी हिस्सेदारी वाले निवेश स्वचालित मार्ग के तहत अनुमति पा सकते हैं, बशर्ते कि लागू क्षेत्रीय सीमा और अन्य शर्तों का पालन किया जाए। निवेशों के लिए उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग को संबंधित जानकारी और विवरण देना भी आवश्यक होगा।

आगे, भारत से भू-सीमा साझा करने वाले देशों की संस्थाओं से पूंजीगत वस्तुएं, इलेक्ट्रॉनिक घटक, इलेक्ट्रॉनिक पूंजीगत वस्तुएं और पॉलिसिलिकन जैसे विशिष्ट क्षेत्रों से जुड़े निवेश प्रस्तावों पर निर्णय प्रक्रिया को 60 दिनों के भीतर पूरा किया जाएगा। कैबिनेट सचिव के अधीन सचिवों की समिति को इस सूची में संशोधन करने का अधिकार है। दिशानिर्देशों में उल्लेख है कि निवेश प्राप्त करने वाली इकाई में बहुल हिस्सेदारी और नियंत्रण निवासी भारतीय नागरिकों या निवासी भारतीय नागरिकों द्वारा नियंत्रित भारतीय संस्थाओं के पास होना चाहिए। इन संशोधित दिशानिर्देशों की मदद से कारोबारी सुगमता में सुधार और विदेशी निवेश की आवक बढ़ने की उम्मीद है। नीतिगत नजरिये से किसी भी बड़े देश के लिए चीन को बाहर रखना आसान नहीं है। वह दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। यह निर्णय एक और अहम मोड़ पर आया है क्योंकि भारत को प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की आवश्यकता है।

क्रूड का खौफनाक सफर: मिसाइलों के साये में भारत तक कैसे पहुंच रहा है पेट्रोल और गैस?

नई दिल्ली। आपके गाड़ी की पेट्रोल हो गया घर में खाना बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाली रसोई गैस, क्या आपने कभी सोचा है पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के माहौल में यह भारत तक कैसे पहुंच रहा है? अगर नहीं तो हम आज आपको इस बारे में एक ऐसी कहानी बताएंगे जो हॉलीवुड की किसी थ्रिलर फिल्म से कम नहीं है। इस कहानी के केंद्र में है एक भारतीय कप्तान की अगुवाई में चलाया जा रहा 'शेनलोंग सुएजमैक्स' तेल टैंकर, जिसने मिसाइलों के साये से बचते हुए 1,35,335 मीट्रिक टन कच्चा तेल लेकर होर्मुज होते हुए मुंबई बंदरगाह तक की सुरक्षित यात्रा तय की है।

आइए आसान भाषा में समझते हैं कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को चालू रखने के लिए जहाजों को किन खतरों से गुजरना पड़ रहा है और यह हमारी पूरी यात्रा हमारी और दुनिया अर्थव्यवस्था के लिए क्यों जरूरी है।

जहाज के डार्क मोड में समुद्री सफर का क्या मतलब है? : समुद्री व्यापार में जहाजों की पहचान, उनकी स्थिति और आवाजाही के लिए 'ऑटोमैटिक आइडेंटिफिकेशन सिस्टम' का इस्तेमाल होता है। यह सिस्टम इसलिए होता है ताकि दूसरे जहाजों और तटीय अधिकारियों को जानकारी मिलती रहे और समुद्र में कोई दुर्घटना न हो। लेकिन खतरे को देखते हुए इस सिस्टम को बंद कर दिया जाता है, जिससे जहाज समंदर में पूरी तरह से 'अदृश्य' या अनट्रेसेबल हो जाता है। 'शेनलोंग सुएजमैक्स' के कैप्टन ने होर्मुज जलडमरूमध्य पार करते समय यही किया और 'डार्क मोड' में चले गए।

समंदर में ट्रैकिंग 'सिस्टम' बंद करने की नौबत क्यों आई? : इस इलाके में फिलहाल भारी जंग का माहौल है। जब से ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजरायल का सैन्य अभियान शुरू हुआ है, ईरानी सेना ने रणनीतिक रूप से बेहद अहम 'होर्मुज जलडमरूमध्य' को प्रभावी रूप से बंद कर दिया है। यह वही समुद्री रास्ता है जहां से दुनिया के समुद्री तेल व्यापार का करीब एक चौथाई हिस्सा और रोजाना 2 करोड़ बैरल से ज्यादा कच्चा तेल गुजरता है। पिछले दो हफ्तों में ईरान द्वारा कम से कम 16 जहाजों पर हमला किया जा चुका है और उसने इस क्षेत्र में आगे भी हमलों की चेतावनी दी है।

भारत के लिए यह कार्गो और रूट कितना जरूरी था? : ऊर्जा जरूरतों के लिए यह बेहद महत्वपूर्ण है। लाइबेरिया के झंडे तले चल रहे इस टैंकर में सऊदी अरब के रास तनूरा बंदरगाह से लोड किया गया 1,35,335 मीट्रिक टन कच्चा तेल था। 9 मार्च को सिग्नल बंद करने के बाद यह जहाज एक दिन बाद वापस ट्रैकिंग सिस्टम पर दिखा और बुधवार को सुरक्षित मुंबई पहुंच गया। अब इस कच्चे तेल को उतार कर मुंबई की रिफाइनरियों में भेजा जाएगा, जिससे हमारी दैनिक जरूरतें पूरी होंगी।

क्या और भी जहाज इसी तरह का जोखिम उठा रहे हैं? : हां, अपनी सुरक्षा के लिए कई जहाज रडार सिस्टम को बंद करने का सहारा ले रहे हैं। ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, भारत, चीन और जापान जाने वाले दो सबसे बड़े क्रूड कैरियर वीएलसीसी, 3 सुएजमैक्स और एक पैनामैक्स टैंकर कम से कम 48 घंटों से एआईएस ट्रैकिंग सिस्टम से ऑफलाइन रहे हैं।

हालात काफी संवेदनशील हैं। भारत सरकार के मुताबिक, फिलहाल फारस की खाड़ी क्षेत्र में 28 भारतीय झंडे वाले जहाज काम कर रहे हैं। इनमें से 24 जहाज (जिन पर 677 भारतीय नाविक सवार हैं) होर्मुज जलडमरूमध्य के पश्चिम में हैं, जबकि चार जहाज (101 नाविकों के साथ) इसके पूर्व में स्थित हैं। खतरे का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि बुधवार को गुजरात के कांडला पोर्ट आ रहे एक थाई जहाज पर भी इस जलडमरूमध्य में हमला हुआ, जिस पर नई दिल्ली ने कड़ी आपत्ति जताई है। समंदर के रास्ते तेल लाना अब एक बेहद जोखिम भरा काम बन गया है। भारतीय कैप्टन की ओर से 'डार्क मोड' में लाखों टन कच्चे तेल को सुरक्षित मुंबई तक लाना यह दशार्ता है कि दुनिया का ऊर्जा बाजार कितनी अनिश्चितताओं के बीच काम कर रहा है। जब तक पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक हालात सामान्य नहीं होते, आम आदमी के इस्तेमाल होने वाले तेल-गैस की सप्लाई चेन ऐसे ही भारी जोखिम के बीच चलती रहेगी।

खुदरा महंगाई दर फरवरी में 3.21 प्रतिशत पर पहुंची

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में गहराते भू-राजनीतिक संकट और वैश्विक व्यापारिक अनिश्चितताओं के बीच भारत के लिए एक और चिंता वाली खबर है। फरवरी महीने में देश की खुदरा महंगाई दर बढ़कर 3.21% हो गई है। यह बढ़ोतरी ऐसे समय में दर्ज की गई है जब ईरान, इस्राइल और अमेरिका के बीच चल रहे विवाद ने वैश्विक तेल सप्लाई को लेकर खतरे की घंटी बजा दी है।

जनवरी में खुदरा महंगाई दर यानी सीपीई 2.75% थी, जो फरवरी में बढ़कर 3.21% हो गई है। यह बढ़ोतरी शहरों के मुकाबले गांवों में ज्यादा महसूस की जा रही है। फरवरी में ग्रामीण महंगाई दर 3.37% और शहरी महंगाई दर 3.02% दर्ज की गई। राहत की बात सिर्फ इतनी है कि यह आंकड़ा अभी भी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 4% के लक्ष्य से नीचे है।

सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार देश में महंगाई बढ़ने का सबसे बड़ा कारण खाने-पीने की चीजें हैं। फरवरी में खाद्य महंगाई दर तेजी से उछलकर 3.47% हो गई है, जो जनवरी में 2.13% थी। आम आदमी के लिए रहना और खाना लगातार महंगा होता जा रहा है। हाउसिंग की बात करें तो महंगाई 2.05% से बढ़कर 2.12% हो गई है। ईंधन और लाइट कैटेगरी में महंगाई दर 0.14% रही। स्वास्थ्य सेवाओं की महंगाई 2.19% से गिरकर 1.90% पर आ गई है। वहीं कपड़े और जूतों की महंगाई दर भी जनवरी के 2.98% से घटकर 2.81% रह गई है।

सेंसेक्स 829 अंक टूटा, निफ्टी 23700 के नीचे

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते संकट के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेज वृद्धि के चलते गुरुवार को बेंचमार्क शेयर सूचकांकों में भारी गिरावट दर्ज की गई। बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी में करीब एक प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 829.29 अंक या 1.08 प्रतिशत गिरकर 76,034.42 पर बंद हुआ। दिन के दौरान इसमें 992.53 अंक या 1.29 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 75,871.18 पर पहुंच गया। इसी तरह, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 227.70 अंक या 0.95 प्रतिशत गिरकर 23,639.15 पर बंद हुआ। रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर से उबरते हुए अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 16 पैसे की गिरावट के साथ 92.17 (अस्थायी) पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ, इसके शेयरों में 4.23 प्रतिशत की गिरावट आई, इसके बाद मारुति, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, अल्ट्राटेक सीमेंट और ट्रेंट का नंबर रहा। इसके विपरीत, एनटीपीसी, पावर ग्रिड, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक और रिलायंस इंडस्ट्रीज विजेता रहे।

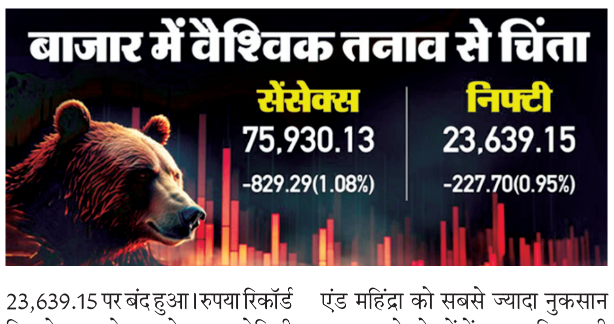

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के अनुसंधान प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव वैश्विक जोखिम लेने की प्रवृत्ति को कम कर रहा है, क्योंकि तेल परिवहन जहाजों पर नए हमलों ने कच्चे तेल की कीमतों को 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंचा दिया है। जिससे मुद्रास्फीति और गैस आपूर्ति की कमी को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

जहाजों की सुरक्षा : ईरानी विदेश मंत्री और जयशंकर के बीच हुई बात

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और समुद्री सुरक्षा को लेकर भारत और ईरान के बीच कूटनीतिक बातचीत जारी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि हाल के दिनों में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और ईरान के विदेश मंत्री के बीच तीन बार बातचीत हुई है।

जायसवाल ने कहा कि दोनों नेताओं की हालिया बातचीत में समुद्री जहाजरानी की सुरक्षा और भारत की ऊर्जा सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। उन्होंने हालांकि इस बातचीत के नतीजों या संभावित फैसलों पर अधिक जानकारी देने से इनकार करते हुए कहा कि इस समय इससे आगे कुछ कहना जल्दबाजी होगी। ईरान में मौजूदा हालात के बीच भारत सरकार वहां रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और वापसी को लेकर सक्रिय रूप से सहायता प्रदान कर रही है। जायसवाल ने बताया कि इस समय ईरान में लगभग 9,000 भारतीय नागरिक मौजूद हैं, जिनमें छात्र, नाविक, कारोबारी, पेशेवर और कुछ तीर्थयात्री शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि कई भारतीय नागरिक, खासकर छात्र, पहले ही ईरान से निकलकर अपने घर पहुंच चुके हैं। इसके अलावा तेहरान में रह रहे कई भारतीयों, जिनमें छात्र और तीर्थयात्री शामिल हैं। उन्हें एहतियातन ईरान के अन्य सुरक्षित स्थानों और शहरों में स्थानांतरित किया गया है।

जायसवाल ने बताया कि जो भारतीय नागरिक ईरान छोड़कर लौटना चाहते हैं, उन्हें अजरबैजान और आर्मेनिया के रास्ते बाहर निकलने में भी मदद दी जा रही है। इसके लिए भारतीय दूतावास उनकी वीजा प्रक्रिया में सहायता कर रहा है और उन्हें जमीनी सीमाओं (लैंड बॉर्डर) को पार करने में भी मदद दी जा रही है।

रोचक तथ्यों का करंट

- साल 2013 में, यूके कंपनी ने टॉमटाटो का एक पौधा बनाया जिसके उपरी भाग पर टमाटर उगते हैं और मिटटी के नीचे आलू।
- ठंडी जलवायु वाली जगहों में टमाटर आमतौर पर ग्लासहाउस में उगाए जाते हैं। दुनिया में टमाटर की लगभग 10,000 किस्में हैं।
- एक जापानी कंपनी ने एक रोबोट का आविष्कार किया जो आपकी पीठ पर बैठता है और आपको दौड़ते समय टमाटर भी खिलाता है।
- आपको जानकर आश्चर्य होगा की टमाटर पीले, गुलाबी, बैंगनी, काले और यहां तक कि सफेद भी हो सकते हैं।
- टमाटर लाइकोपीन में समृद्ध होते हैं, एक एंटीऑक्सिडेंट जो हृदय के लिए अच्छा होता है और कुछ कैंसर के खिलाफ प्रभावी होता है। कच्चे टमाटरों की तुलना में पके हुए टमाटर वास्तव में आपके लिए बेहतर होते हैं, क्योंकि अधिक फायदेमंद रसायनों को छोड़ दिया जाता है। टमाटर में विटामिन ए और सी, कैल्शियम, पोटेशियम भरपूर मात्रा में होता हैं।
- न्यू जर्सी में 28 जून, 1820 को टमाटर को 'परीक्षण पर' रखा गया था। एक न्यायालय के सामने, रॉबर्ट जॉनसन ने यह साबित करने के लिए टमाटर का एक ढेर खाया कि वे जहरीले नहीं थे।

राशिफल

मेष : लेनदारी वसूल करने के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

वृष : शारीरिक कष्ट संभव है। पारिवारिक समस्या से चिंता बढ़ सकती है। नई आर्थिक नीति बन सकती है। कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन से भविष्य में लाभ होगा।

मिथुन : धार्मिक कार्य में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा।

कर्क : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। धनागम होगा। प्रतिद्वंद्वी अपना रास्ता छोड़ देंगे।

सिंह : संपत्ति की खरीद-फरोख्त में सफलता मिलेगी। स्थायी संपत्ति की दलाली बड़ा लाभ दे सकती है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

कन्या : व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। भूमि व भवन संबंधी कार्य लाभदायक रहेंगे। ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। आय के साधनों में वृद्धि होगी।

तुला : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा।

वृश्चिक : प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश संभव है।

धनु : कानूनी अड़चन सामने आएगी। अज्ञात भय सताएगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। पराक्रम बढ़ेगा।

मकर : स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। घर में अतिथियों का आगमन होगा।

कुंभ : सुख के साधनों पर व्यय होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। निवेश शुभ रहेगा।

मीन : शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। हल्की हंसी-मजाक न करें।

चुटकुले

पुलिस- तुम्हे तलाक क्यों चाहिए?
पति - साहब, मेरी पत्नी मुझ से लहसुन छिलवाती है, प्याज कटवाती है और बर्तन मंजवाती है
पुलिस- इसमें दिक्कत क्या है?
लहसुन को थोड़ा गर्म कर लिया करो आसानी से छील जाएंगे,
प्याज को काटने से पहले फ्रिज में रखा दिया करो, काटने के समय आंखें नहीं जलेगी
बर्तन मांजने से 10 मिनिट पहले भरे टब में डाल दिया करो आसानी से साफ हो जाएंगे
पति - समझ गया हजूर। अर्जी वापस ही दे दो मेरी...

लड़की- मेरे होंठ कितने काले हैं...
डॉक्टर- प्लास्टिक सर्जरी करा लो।
लड़की- कितने पैसे लगेंगे?
डॉक्टर- छह लाख रुपये
लड़की- अगर प्लास्टिक मैं खुद ला दूं तो?
डॉक्टर- फेवीकोल भी लेती आना, फ्री में चिपका दूंगा !!!

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम
K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी
संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम
समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।
संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

13 Mar -26 page 5 12-03-2026 22:17 Page 1

2012 में बीसीसीआईने ऐसा क्या कहा कि चौंक गए थे तेंदुलकर

इसके कुछ समय बाद ही ले लिया था संन्यास

मुंबई। 2012 में खराब फॉर्म के दौरान बीसीसीआई चयन समिति ने सचिन तेंदुलकर से उनके भविष्य और संभावित रिप्लेसमेंट पर चर्चा की थी। इस बातचीत से सचिन चौंक गए थे, लेकिन कुछ ही दिनों बाद उन्होंने वनडे क्रिकेट से संन्यास ले लिया और एक साल बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया।

भारतीय क्रिकेट के महान बल्लेबाज और क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर के करियर का एक ऐसा दौर भी आया जब चयनकताओं ने उनके भविष्य पर गंभीर चर्चा की। साल 2011 में विश्व कप जीतने के बाद सचिन का प्रदर्शन पहले जैसा नहीं रहा और 2012 में उनकी फॉर्म को लेकर सवाल उठने लगे थे। ऐसे में चयनकताओं ने सचिन से बात की थी और कुछ ऐसा कहा था कि सचिन चौंक गए थे। इसके कुछ समय बाद ही उन्होंने पहले वनडे और फिर टेस्ट से संन्यास का एलान कर दिया था।

एक-एक कर टीम के दिग्गजों का संन्यास: सचिन ने वनडे विश्वकप 2011 के बाद इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खेले गए आठ टेस्ट मैचों में 560 रन बनाए, जिसमें चार अर्धशतक शामिल थे। हालांकि, भारत को दोनों ही सीरीज में 0-4 से हार का सामना करना पड़ा। इसी दौरान उनके 100वें अंतरराष्ट्रीय शतक का दबाव भी लगातार बढ़ता जा रहा था। इस दौर में भारतीय टीम के कई सीनियर खिलाड़ी भी संन्यास ले चुके थे। सौरव गांगुली, वीवीएस लक्ष्मण और राहुल द्रविड़ जैसे दिग्गज खिलाड़ी पहले ही क्रिकेट को अलविदा कह चुके थे। ऐसे में यह चर्चा तेज हो गई थी कि अगला नंबर सचिन तेंदुलकर का हो सकता है। उम्र भी 39 साल हो चुकी थी और टीम में नए खिलाड़ियों को मौका देने की बात उठने लगी थी।

चयन समिति ने की सचिन से सीधी बातचीत

तत्कालीन चयन समिति के अध्यक्ष संदीप पाटिल ने एक इंटरव्यू में उस दौर का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि 2012 में नागपुर टेस्ट के बाद सचिन से खास मुलाकात की गई थी। पाटिल ने कहा, 'मुझे याद है 2012 में नागपुर टेस्ट के आखिरी दिन हम सचिन से मिलने गए थे। मैंने उनसे पूछा- आगे की क्या योजना है? चयन समिति को लगा था कि अब हमें उनके रिप्लेसमेंट के बारे में सोचना चाहिए।'

जब पाटिल ने सचिन से उनके संभावित रिप्लेसमेंट की बात की तो मास्टर ब्लास्टर हैरान रह गए। पाटिल ने बताया, 'वह यह सुनकर चौंक गए। उन्होंने पूछा- क्यों? फिर मैंने कहा कि चयन समिति को लगता है कि अब हमें आपके रिप्लेसमेंट के बारे में सोचना चाहिए। बाद में उन्होंने मुझे फोन किया और पूछा- क्या आप सच में ऐसा कह रहे हैं?' पाटिल ने आगे कहा कि देशभर में इस फैसले को लेकर उनकी आलोचना हुई, लेकिन सचिन को टीम से कभी बाहर नहीं किया गया।

पाटिल के मुताबिक, उस बातचीत के तुरंत बाद सचिन ने साफ कहा था कि वह अभी क्रिकेट जारी रखना चाहते हैं। उन्होंने बताया, 'उन्होंने मुझसे कहा- मैं खेलना जारी रखना चाहता हूं। लेकिन एक हफ्ते के भीतर ही उन्होंने वनडे क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला कर लिया।' सचिन ने पाकिस्तान के खिलाफ दिसंबर 2012 में वनडे सीरीज शुरू होने से ठीक पहले अंतरराष्ट्रीय वनडे क्रिकेट को अलविदा कह दिया था।

भारतीय महिला हॉकी टीम का सेमीफाइनल में इटली से सामना, नवनीत कौर पर होंगी नजरें

हैदराबाद। भारतीय महिला हॉकी टीम का सामना एफआईएच विश्व कप क्वालिफायर्स के सेमीफाइनल में इटली से होगा। भारतीय टीम खिताब के करीब है। मालूम हो कि टीम पहले ही विश्व कप के लिए क्वालिफाई कर चुकी है।

विश्व कप के लिए क्वालिफाई कर चुकी भारतीय महिला हॉकी टीम की नजरें अब एफआईएच विश्व कप क्वालिफायर जीतने पर लगी है। इसके लिए शुक्रवार को इटली के खिलाफ सेमीफाइनल जीतना पहला कदम होगा। भारतीय महिला हॉकी टीम पूल बी में तीन मैचों में सात अंक लेकर शीर्ष पर रही। स्कॉटलैंड के भी सात अंक थे लेकिन गोल औसत में पिछड़ने के कारण वह दूसरे स्थान पर है। एफआईएच महिला और पुरुष विश्व कप नीदरलैंड और बेल्जियम में 15 से 30 अगस्त तक खेला जाएगा।

भारत ने पूल चरण में दो मैच जीते और एक ड्रॉ खेला। इटली पूल ए में दूसरे स्थान पर रही जिसने एक मैच जीता, एक ड्रॉ खेला और एक गंवाया। भारत के लिए फॉरवर्ड नवनीत कौर ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है जो अब तक चार गोल कर चुकी हैं। उन्होंने वेल्स के खिलाफ आखिरी पूल मैच में हैट्रिक लगाई थी। इटली की उम्मीदें फेडरिका कार्टा पर टिकी होंगी जो अब तक तीन गोल कर चुकी हैं। कागजों पर भारत का पलड़ा भारी लग रहा है। आमने-सामने के मुकाबलों में दोनों टीमें 2012 से अब तक एक दूसरे के खिलाफ सात बार खेली हैं जिनमें से पांच भारत ने जीते, एक इटली ने और एक मैच ड्रॉ रहा।

मारिन ने इटली को बताया प्रतिस्पर्धी टीम: भारत के मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने कहा, एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप 2026 में जगह बनाना इस टीम के लिए बड़ी उपलब्धि है। खिलाड़ियों ने टूनार्मेंट में जिस तरह का प्रदर्शन किया, वह काबिले तारीफ है।

Bcci ने शुभमन गिल को चुना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर

मुंबई। बीसीसीआई के वार्षिक सम्मान समारोह में शुभमन गिल को 'क्रिकेटर ऑफ द ईयर' चुने जाने की संभावना है। टेस्ट और वनडे में शानदार प्रदर्शन करने वाले गिल ने साल भर में 1,764 रन बनाए। वहीं राहुल द्रविड़ को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड और मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन को सर्वश्रेष्ठ संघ का सम्मान मिल सकता है।

भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान शुभमन गिल को साल 2025 के लिए बीसीसीआई के प्रतिष्ठित 'क्रिकेटर ऑफ द ईयर' पुरस्कार से सम्मानित किया जा सकता है। 'क्रिकेटर ऑफ द ईयर' पुरस्कार को 'पॉली उमरीगर क्रिकेट ऑफ द ईयर' अवॉर्ड भी कहा जाता है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड का वार्षिक सम्मान समारोह 'नमन' 15 मार्च को नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। इस समारोह में कई खिलाड़ियों और क्रिकेट हस्तियों को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया जाएगा।

सचिन-अश्विन की बराबरी करेंगे

शुभमन दूसरी बार यह पुरस्कार जीतेंगे। इससे पहले साल 2023 में भी उन्हें इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। दूसरी बार यह अवॉर्ड जीतने के साथ ही शुभमन सचिन तेंदुलकर और रविचंद्रन अश्विन की बराबरी कर लेंगे। इन दोनों ने भी यह अवॉर्ड दो-दो बार जीता था। इन तीनों से ज्यादा बार इस अवॉर्ड से विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह ही सम्मानित हुए हैं। कोहली पांच बार बीसीसीआई के साल के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर रहे हैं, वहीं बुमराह ने तीन बार यह अवॉर्ड जीता है।

टेस्ट क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन

26 वर्षीय शुभमन ने पिछले साल यानी 2025 टेस्ट और वनडे क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया। हालांकि, उन्हें हाल ही में टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम में जगह नहीं मिली थी, लेकिन बाकी दो फॉर्मेट में उनका प्रदर्शन बेहद दमदार रहा। शुभमन ने 2025 में टेस्ट क्रिकेट में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 983 रन बनाए। इसमें इंग्लैंड के खिलाफ उसकी सरजमीं पर खेली गई सीरीज में 754 रन शामिल रहे, जो उनकी बेहतरीन फॉर्म को दशार्ता है। इंग्लैंड से टेस्ट सीरीज में उनका औसत 70 से अधिक रहा और उन्होंने कई महत्वपूर्ण पारियां खेलीं। उन्होंने कुल 490 रन बनाए, जिसमें भारत की चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली मुहिम में बनाए गए 188 रन भी शामिल हैं। अगर सभी फॉर्मेट को मिलाकर देखा जाए तो गिल ने पिछले साल कुल 1,764 रन बनाए, जिनमें सात शतक और तीन अर्धशतक शामिल रहे। उनका औसत करीब 49 का रहा।

शुभमन दूसरी बार यह पुरस्कार जीतकर सचिन-अश्विन की बराबरी करेंगे

राहुल द्रविड़ को मिलेगा लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

इस समारोह में भारत के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को भारतीय क्रिकेट में उनके शानदार योगदान के लिए 'कर्नल सीके नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड' से सम्मानित किया जा सकता है। द्रविड़ के मार्गदर्शन में भारत ने २०२४ में टी२० विश्व कप भी जीता था, जो भारतीय क्रिकेट के लिए बड़ी उपलब्धि रही। घरेलू क्रिकेट में बेहतरीन योगदान के लिए मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन को 'सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट संघ' के पुरस्कार से सम्मानित किया जा सकता है।

विश्वकप में ईरानी टीम का स्वागत करेंगे अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप : फीफा चीफ

नई दिल्ली। फीफा चीफ जियानी इन्फेंटिनो ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की, जिन्होंने उन्हें भरोसा दिलाया है कि ईरान का 2026 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने के लिए 'स्वागत' है।

फीफा चीफ जियानी इन्फेंटिनो ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की, जिन्होंने उन्हें भरोसा दिलाया है कि ईरान का 2026 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने के लिए 'स्वागत' है। यह विश्व कप 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में खेला जाएगा।

ईरान को अमेरिका में तीन मैच खेलने हैं, लेकिन बढ़ते क्षेत्रीय युद्ध के बीच उनके हिस्सा लेने पर शक है। ईरानी टीम बेल्जियम, मिस्र और न्यूजीलैंड के साथ ग्रुप-जी में है। यह टीम 15 जून को सिएटल में न्यूजीलैंड के खिलाफ टूर्नामेंट की शुरूआत करेगी, और आगे के ग्रुप गेम लॉस एंजिल्स और अटलांटा में होंगे।

एक इंस्टाग्राम पोस्ट में इन्फेंटिनो ने कहा कि उन्होंने और ट्रंप ने आने वाले फीफा वर्ल्ड कप की तैयारियों के स्टेटस पर चर्चा की और ईरान के मौजूदा हालात के बारे में भी बात की। इन्फेंटिनो ने लिखा, 'मैं आगामी फीफा वर्ल्ड कप की तैयारियों के स्टेटस और सिर्फ 93 दिनों में शुरू होने वाले बढ़ते उत्साह पर चर्चा करने के लिए यूनाइटेड स्टेट्स के राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप से मिला।

क्या कभी टूट पाएंगे आईपीएल के ये 8 रिकॉर्ड्स

कोहली-डिविलियर्स से लेकर गेल-धोनी और KKR भी लिस्ट में

नई दिल्ली। आईपीएल के इतिहास में कई ऐसे रिकॉर्ड बने हैं जिन्हें आज तक कोई नहीं तोड़ पाया है। विराट कोहली के 973 रन, कोहली-डिविलियर्स की बड़ी साझेदारी, क्रिस गेल की 175 रन की पारी, एमएस धोनी की कप्तानी और केकेआर की लगातार जीत जैसे रिकॉर्ड अब भी अटूट नजर आते हैं।

टी20 विश्वकप 2026 खत्म होने के बाद अब 28 मार्च से आईपीएल का धूम-धड़ाका मचने वाला है। बीसीसीआई ने शुरूआती 16 दिनों का कार्यक्रम जारी कर दिया है। इस दौरान 20 मैच खेले जाएंगे और ये मुकाबले 10 स्थानों पर होंगे। बीसीसीआई आगे का कार्यक्रम एक और एलान में जारी करेगा। पहले फेज के मुकाबले 28 मार्च से 12 अप्रैल तक खेले जाएंगे। सभी टीमें 19वें संस्करण की तैयारियों में जुट गई हैं।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु डिफेंडिंग चैंपियन है और यह टीम 19वें संस्करण का ओपनिंग मैच बंगलूरू में ही सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेलेगी। आईपीएल के कुछ ऐसे रिकॉर्ड्स हैं, जिन्हें फैंस टूटते हुए देखना चाहते हैं, हालांकि पिछले 18 संस्करण तक ऐसा नहीं हो सका है। इनमें से कुछ रिकॉर्ड तो अब अटूट दिखते हैं। इस लिस्ट में विराट कोहली, एबी डिविलियर्स, क्रिस गेल और धोनी जैसे नाम हैं।

आईपीएल के एक सीजन में सबसे ज्यादा कैच का रिकॉर्ड एबी डिविलियर्स के नाम है। उन्होंने साल 2016 में आरसीबी के लिए खेलते हुए 19 कैच पकड़े थे। इसके बाद पिछले नौ सीजन से यह रिकॉर्ड नहीं टूटा है।

एक सीजन में सबसे ज्यादा कैच

खिलाड़ी	टीम	सीजन	कैच
एबी डिविलियर्स	RCB	2016	19
ऋतुराज गायकवाड़	CSK	2023	17
रियान पराग	RR	2022	17
कीरोन पोलार्ड	MI	2017	15
डेविड मिलर	KXIP	2014	14

डेब्यू मैच में सबसे ज्यादा विकेट और सर्वश्रेष्ठ बॉलिंग फिगर

खिलाड़ी	टीम	खिलाफ	बॉलिंग फिगर	साल
अल्जारी जोसेफ	MI	SRH	12/6	2019
सोहेल तनवीर	RR	CSK	14/6	2008
एडम जम्पा	RPS	SRH	19/6	2016
अनिल कुंबले	RCB	RR	5/5	2009
आकाश मधवाल	MI	LSG	5/5	2023

मैदान पर क्या करने में बुमराह को आता है मजा, विश्व कप जीतने के बाद किया खुलासा

नई दिल्ली। बुमराह का यह बयान न केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि को दशार्ता है, बल्कि टीम के प्रति उनके समर्पण और दबाव में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की उनकी क्षमता को भी रेखांकित करता है। उनकी यह मानसिकता भारतीय टीम के लिए एक बड़ी ताकत साबित हुई है।

भारत को टी20 विश्वकप 2026 जिताने में अहम भूमिका निभाने वाले जसप्रीत बुमराह ने ट्रॉफी उठाने के बाद पहली प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि मुश्किल परिस्थितियों में गेंदबाजी करने में उन्हें मजा आता है। बुमराह ने कहा कि वह इसी पल के लिए जीते हैं। उन्होंने ऊपर वाले का आभार भी जताया। बुमराह न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे। उन्होंने चार विकेट लिए थे और वरुण चक्रवर्ती के साथ टूनार्मेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे।

बुमराह ने चुनौतियों पर बात की

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड द्वारा शेयर किए गए वीडियो में बुमराह ने कहा कि महत्वपूर्ण क्षणों में टीम के लिए प्रदर्शन करना हमेशा से उनके क्रिकेटिंग सफर का मुख्य प्रेरक रहा है। वीडियो में बुमराह ने चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारियां लेने और टीम पर प्रभाव डालने की अपनी इच्छा पर बात की। उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा से एक कठिन काम करना चाहता था। मैंने इसी के लिए क्रिकेट खेला है। जब मैं अंतर पैदा कर पाता हूं, तो मुझे बहुत खुशी मिलती है। इससे बेहतर कोई एहसास नहीं है।'

घरेलू धरती पर ऐतिहासिक जीत

भारत ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में न्यूजीलैंड को 96 रनों से हराकर फाइनल जीत लिया। इस जीत के साथ भारत टी20 विश्व कप का खिताब अपने घरेलू मैदान पर जीतने वाली पहली टीम बन गई। इसके अलावा, यह बैक-टू-बैक विश्व कप जीतने वाली पहली टीम भी है, और तीन टी20 विश्व कप खिताब जीतने वाली पहली टीम भी।

भारतीय तेज गेंदबाज ने अहमदाबाद में आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 का खिताब करीब से चूक जाने की निराशा को याद किया, लेकिन इस बार टी20 खिताब जीतकर उन्होंने अपनी टीम को जीत के पार ले जाने में मदद की। उन्होंने कहा, 'पिछली बार हम बस थोड़े से चूक गए थे, इस बार हम पार कर गए। बहुत खुश हूं। मेरा बेटा आया। वह पिछली बार भी था; इस बार भी वह मौजूद था। मेरी मां भी आई, यह बहुत खास था। हम लगातार दो विश्व कप जीतने में सफल रहे, जो कभी-कभी ही होता है। मैं बहुत आभारी हूं, ईश्वर बहुत दयालु है, और मैं इससे ज्यादा धन्य महसूस नहीं कर सकता।'

कार्यालय सेनानायक ट्रास्कफोर्स
47वीं वाहिनी पीएसी गाजियाबाद

विज्ञप्ति

टॉस्क फोर्स 47वीं वाहिनी पीएसी गाजियाबाद के गेट नं0-3 में बनी दुकान को मिल्क डेयरी किराये हेतु दिनाँक 01.04.2026 से दिनॉक 31.03.2027 तक की अवधि के लिये टेण्डर दिनांक 27-03-2026 को प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक आमंत्रित किये जायेगें। टेण्डर उसी दिन दोपहर बाद खोले जायेगें। टेण्डर डालने वाले ठेकेदार अधिक जानकारी सेनानायक टास्कफोर्स 47वीं पीएसी के कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में कर सकते हैं।

पत्रांक व-06/2024 (विविध)
दिनांक मार्च, 11. 2026

सेनानायक,
49/47 वीं वाहिनी पीएसी गौतमबुद्धनगर / गाजियाबाद।

10वीं रैंक वाले बांग्लादेश से हारा पाकिस्तान: दिग्गजों ने उड़ाई टीम की धज्जियां

कराची। पाकिस्तान टीम के खराब प्रदर्शन के बाद पूर्व खिलाड़ी बासित अली और कामरान अकमल ने टीम मैनेजमेंट और खिलाड़ियों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने पावरप्ले रणनीति, खराब बल्लेबाजी और एक साथ चार डेब्यू खिलाड़ियों को मौका देने के फैसले पर सवाल उठाए।

टी20 विश्व कप 2026 में मुंह की खाने के बाद पाकिस्तानी टीम बड़े बदलाव और बड़ी उम्मीदों के साथ बांग्लादेश दौरे पर गई। पाकिस्तान के नए वनडे कप्तान शाहीन अफरीदी के नेतृत्व में टीम को बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले वनडे में ही आठ विकेट से करारी शिकस्त मिली। पाकिस्तान टीम की इस हार के बाद वहां के दिग्गजों ने अपनी ही टीम की धज्जियां उड़ाई हैं। कामरान अकमल, बासित अली, फवाद आलम से लेकर फैंस तक ने टीम की खिल्ली उड़ाई और कहा कि जिस टैलेंट की बात पाकिस्तान क्रिकेट में इतने दिनों से की जा रही थी, क्या यही वो टैलेंट हैं?

बांग्लादेश ने पाकिस्तान को आठ विकेट से हराया

दरअसल, रोड टू 2027 वनडे वर्ल्ड कप के तहत पाकिस्तान और बांग्लादेश ने तीन मैचों की वनडे सीरीज से अपनी तैयारी शुरू की है। दोनों के बीच 11 मार्च को ढाका के शेर-ए-बांग्ला स्टेडियम में सीरीज का पहला वनडे खेला गया। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हु 30.4 ओवर में 114 रन बनाए और सभी 10 विकेट गंवा दिए। इसके बाद बांग्लादेश की टीम ने पाकिस्तान की पारी के आधे ओवर में सिर्फ दो विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। बांग्लादेश ने 15.1 ओवर में लक्ष्य हासिल किया। अब दूसरा वनडे 13 मार्च को ढाका में ही खेला जाएगा।

10वीं रैंक पर है बांग्लादेश, चौथी रैंक पर है पाकिस्तान

सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि पाकिस्तान की वनडे रैंकिंग चार है, जबकि बांग्लादेश की वनडे रैंकिंग 10 है। बांग्लादेश की टीम अब तक 2027 वनडे विश्वकप के लिए क्वालिफाई तक नहीं कर पाई है। उसे वनडे विश्वकप के लिए ऑटोमैटिक क्वालिफाई करने के लिए 31 मार्च, 2027 तक रैंकिंग में शीर्ष-आठ में आना जरूरी है। ऐसा नहीं हुआ तो टीम को क्वालिफायर्स खेलना होगा। उस बांग्लादेशी टीम से पाकिस्तान को करारी शिकस्त मिली। मैच के बाद पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटरों ने टीम का मजाक उड़ाया।

कार्यालय सेनानायक ट्रास्कफोर्स
47वीं वाहिनी पीएसी गाजियाबाद

विज्ञप्ति

टॉस्क फोर्स 47 पीएसी गाजियाबाद में वाहिनी परिसर स्थित 50 बीघा जमीन को 01 वर्ष (दिनॉक 01.04.2026 से दिनॉक 31.03.2027 तक) की अवधि के लिये कृषि कार्य हेतु ठेके पर दिये जाने के लिये टेण्डर दिनॉक28-03-2026 को दोपहर 12:00 बजे तक आमंत्रित किये जायेगें। टेण्डर तद्दिनॉक को ही समय 14:00 बजे खोले जायेगें। टेण्डर डालने वाले ठेकेदार अधिक जानकारी के लिये वाहिनी कार्यालय में किसी कार्यदिवस में सम्पर्क कर सकते है।

पत्र संख्या- ठ-02/2024
दिनांक मार्च,11 . 2026

सेनानायक
49/47 वीं वाहिनी पीएसी गौतमबुद्धनगर / गाजियाबाद।

नई दिल्ली | दैनिक करंट क्राइम
06 | शुक्रवार • 13 मार्च -2026

गाजियाबाद आसपास

सीकरी महामाया देवी मेले के ठेकों ने बनाया रिकॉर्ड, 2.30 करोड़ में छूटी बोली

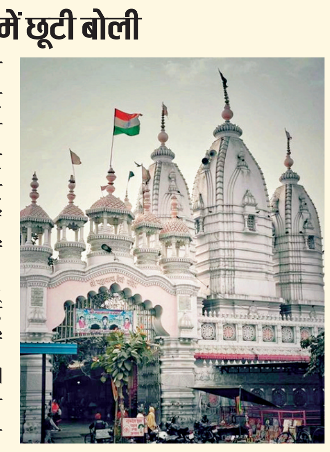

मोदीनगर, करंट क्राइम। चैत्र मास में आयोजित होने वाले उत्तर भारत के प्रसिद्ध सीकरी महामाया देवी मेले की तैयारियों ने इस बार नया इतिहास रच दिया है। बुधवार को तहसील मुख्यालय में उपजिलाधिकारी की मौजूदगी में हुई नीलामी में मेले के ठेकों ने 2 करोड़ 30 लाख रुपये का रिकॉर्ड आंकड़ा छुआ, जो पिछले वर्षों की तुलना में काफी अधिक है। 70 लाख रुपये से शुरू हुई यह बोली सीकरीखुर्द निवासी मांजे ने 1 करोड़ 3 लाख रुपये में अपने नाम की। इस श्रेणी में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच गौरव मुखिया ने 1 करोड़ 27 लाख रुपये की उच्चतम बोली लगाई। सजावट का जिम्मा अरुण ठेकेदार को 1.25 लाख रुपये में सौंपा गया। बैठक में रउद्र अजित सिंह, पालिकाध्यक्ष विनोद जाटव और भास्कर वर्मा सहित अन्य अधिकारियों ने हिस्सा लिया। ईओ नरेंद्र मोहन मिश्र ने बताया कि मेले में दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान जैसे राज्यों से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए स्वच्छता, पार्किंग और सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। बढ़ती भीड़ और श्रद्धालुओं की अपार श्रद्धा ही इस बार रिकॉर्ड तोड़ बोली का मुख्य कारण मानी जा रही है।

कमेटी के नाम पर एक करोड़ से अधिक की ठगी करने का आरोप, पीड़ितों ने किया तहसील पर प्रदर्शन

मोदीनगर, करंट क्राइम। एक युवक द्वारा कमेटी डालने के नाम पर दर्जनों लोगों से एक करोड़ से अधिक की ठगी करने के मामले में पीड़ितों ने तहसील पर जमकर प्रदर्शन करते हुए आरोपी के विरुद्व कार्रवाही किये जाने की मांग की। कादराबाद निवासी दर्जनों लोग तहसील पंहुचे और उन्होंने नारेबाजी करते हुये कादराबाद पुलिस चैकी पुलिस पर कार्रवाही ना किये जाने का आरोप लगाते हुये प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का आरोप था कि गांव निवासी सरार पुत्र सबीर ने कमेटी ड़ालने के नाम पर दर्जनों लोगों से एक करोड़ से अधिक की ठगी कर ली। पैसे मांगने पर आरोपी भुगत लेने व कार्रवाही किये जाने पर धमकी दे रहा है। इससे गुस्सायें लोगों ने तहसील पर प्रदर्शन करते हुये आरोपी के खिलाफ कार्रवाही की मांग की है। एसीपी भास्कर वर्मा का कहना है कि जांच उपरानत कार्रवाही की जायेंगी। प्रदर्शनकारियों में अर्जुन, आशीष, करमवीर, मनोज आदि मौजूद रहें।

घर से काम पर गये युवक की संदिग्ध अवस्था में मौत

मोदीनगर, करंट क्राइम। घर से काम पर जाने की बात कहकर निकले युवक की देर रात संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। कार्रवाही की मांग को लेकर परिजनों ने थाने के सामने नारेबाजी करते हुये आरोपी के विरूद्व रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाही की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। भूपेन्द्रपुरी कॉलोनी निवासी अरुण एक नीजी कैंकटहॉल में नौकरी करता है। आरोप है कि बीती रात वह अपने एक दोसत के बुलावे पर उसके साथ घर से काम पर जाने की बात कहकर निकला था। रात करीब 10 बजे सूचना मिली कि अरुण तिबड़ा गांव के पास सड़क किनारे घायल अवस्था में पड़ा है। सूचना मिलते ही परिजन तुरंत उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी और डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों का आरोप है कि अरुण की हत्या की गई है। वहीं, पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

महर्षि दयानंद विद्यापीठ में बोर्ड परीक्षा सुचितापूर्ण संपन्न, टीम भावना की हुई सराहना

गाजियाबाद, करंट क्राइम। स्थानीय महर्षि दयानंद विद्यापीठ परीक्षा केंद्र पर वर्ष 2026 की बोर्ड परीक्षा पूरी तरह से शांतिपूर्ण और सुचितापूर्ण माहौल में संपन्न हुई। परीक्षा की शुचिता बनाए रखने और नियमों के कड़ाई से पालन को लेकर प्रशासन और विद्यालय प्रबंधन का तालमेल उत्कृष्ट रहा। परीक्षा के सफल आयोजन में बाह्य केंद्र व्यवस्थापक शालिनी शर्मा एवं स्टेटिक मजिस्ट्रेट अमृत कुमार की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही। उनके निरंतर निरीक्षण और दिशा-निर्देशों के चलते परीक्षा केंद्र पर सुरक्षा और पारदर्शिता के पुख्ता इंतजाम दिखे। विद्यालय की प्रधानाचार्या के कुशल नेतृत्व में पूरी प्रक्रिया को मानक के अनुरूप संचालित किया गया।

विद्यालय के वाइस प्रिंसिपल डॉ. आनंद शर्मा ने परीक्षा की समाप्ति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी कक्ष निरीक्षकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि परीक्षा की गरिमा बनाए रखने में हमारे शिक्षकों ने अहम भागीदारी निभाई है। कोर टीम की मेहनत और लगन का ही परिणाम है कि हम लगातार बेहतर कार्य कर पा रहे हैं।

डॉ. शर्मा ने विशेष रूप से कोर टीम के सदस्यों को उनकी कर्तव्यनिष्ठा के लिए सराहा और भविष्य की परीक्षाओं के लिए भी इसी तरह के टीम वर्क की उम्मीद जताई। परीक्षा केंद्र पर अनुशासन और शांति व्यवस्था को देखकर अभिभावकों और छात्रों ने भी संतोष व्यक्त किया है।

ऑपरेशन कन्विक्शन में सफलता, हत्या के प्रयास के आरोपी को 10 वर्ष की सजा

श्री संजीव कुमार, सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता | म0मु0आ0 प्रवेशपाल, पैरोकार कन्विक्शन सेल | म0आ0 सोनिया, पैरोकार थाना मोदीनगर

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत प्रभावी पैरवी के चलते हत्या के प्रयास के एक मामले में आरोपी को न्यायालय ने 10 वर्ष के कठोर कारावास और 5 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है।

थाना मोदीनगर में दर्ज इस मामले में आरोपी शौकीन निवासी जगतपुरी ने वादी की पुत्री पर ट्यूशन जाते समय पीछे से आकर धारदार हथियार से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। घटना के संबंध में अक्टूबर 2023 को मुकदमा दर्ज हुआ था। विवेचक उपनिरीक्षक नीरज कुमार द्वारा एकत्र साक्ष्यों और सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता संजीव कुमार की प्रभावी पैरवी के आधार पर अपर सत्र न्यायाधीश, कोर्ट संख्या-04 गाजियाबाद ने आरोपी को धारा 307 (हत्या का प्रयास) में दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई।

मामले में कन्विक्शन सेल के पैरोकार प्रवेश पाल और आरक्षी सोनिया ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भोजपुर पुलिस ने नकली नोटों के साथ युवक को किया गिरफ्तार

500-500 रुपये के 8 नकली नोट बरामद, बाजार में चलाने की कर रहा था कोशिश

गाजियाबाद, करंट क्राइम। थाना भोजपुर पुलिस ने नकली नोट चलाने की कोशिश कर रहे एक युवक को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से 500-500 रुपये के आठ नकली नोट बरामद किए गए हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार थाना भोजपुर पुलिस टीम चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि फरीदनगर चौकी क्षेत्र में एक युवक नकली नोटों के साथ मौजूद है और उन्हें बाजार में चलाने की कोशिश कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए फरीदनगर क्षेत्र से आरोपी को पकड़ लिया। पुलिस ने बताया है कि पकड़े गए युवक की पहचान शोएब उर्फ गुल्लू निवासी कस्बा फरीदनगर थाना भोजपुर के रूप में हुई है। उसकी उम्र करीब 23 वर्ष बताई गई है। तलाशी के दौरान उसके पास से 500-500 रुपये के आठ नकली नोट बरामद हुए। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसे रास्ते में एक अज्ञात व्यक्ति मिला था, जिसने कुछ असली रुपये के बदले 4000 रुपये के नकली नोट देने का लालच दिया। उस व्यक्ति ने कहा था कि ये नोट बिल्कुल असली जैसे दिखते हैं और आसानी से बाजार में चल जाएंगे। लालच में आकर उसने 500-500 रुपये के आठ नकली नोट ले लिए और उन्हें बाजार में चलाने का प्रयास कर रहा था, तभी पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पुलिस ने बरामदगी के आधार पर आरोपी के खिलाफ धारा 179 और 180 भारतीय न्याय संहिता के तहत थाना भोजपुर में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपी के आपराधिक इतिहास की भी जांच कर रही है। पुलिस टीम द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर उससे बरामद नकली नोटों को कब्जे में लेकर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

सुनो खास तुम्हारी हिम्मत कैसे हो गयी छुट्टी लेने की और करने की आराम

फूल वालों की बगिया में उनके मूड स्विंग का किस्सा अकसर बाहर आता रहता है। पल में तोला पल में माशा की कहानी में केसरिया सियासत में उनका तमाशा बना रखा है। बड़े दल के नेता हैं और भले दिल के भी हैं लेकिन फीलिंग पर कन्ट्रोल नहीं कर पाते हैं। सुना है कि उनके ईर्द गिर्द मंडरा रहे देवतुल्यों ने भी अब उनके मूड स्विंग समझ लिया है। किस्सा उस देवतुल्य से जुड़ा है जो पुराना फूल है। एक आस-पास वाला खास चेहरा माननीय जी के कुछ ज्यादा ही क्लोज हो गया। रोज सुबह शाम उनके घर पर हाजरी बजाने लगा। अब वो समझ रहा था कि यह उसकी लॉयलटी मानी जायेगी। नेता जी उसे क्या समझ रहे थे पता नहीं मगर उन्हें लग रहा था कि हमारी तो अपनी लॉयलटी है। फिर कुछ यूं हुआ कि खास को बुखार आ गया और उसने कुछ दिन तक उनके यहां जाना बंद कर दिया। खास को उम्मीद थी कि वो उन्हें सह सम्मान बुलायेंगे, मगर उसे क्या पता था कि मूड स्विंग का शिकार वो भी होगा। बताते हैं कि उन्होंने खास को फोन मिलाया और ना हाल पूछा और ना चाल पूछी और सीधे ही पूछा कि तुम्हारी हिम्मत कैसे हो गयी बिना पूछे छुट्टी करने की।

किस पद पर नहीं होने जा रहा है ताजपोशी का समीकरण फलित

राजनीति गेम ही ऐसा है कि यहां नेम और फेम के लिए पूरा जोर लगता है। नेम और फेम के चक्कर में कई बार विरोधी ब्लेम भी लगा देते हैं। सब अपने अपने हिसाब से खुद को सबसे बेहतर बताते हुए पद और टिकट के लिए क्लेम करते हैं। यूजीसी वाली वुडन के बाद अब सीन इससे जुड़े नेताओं का हिडन ही चल रहा है। बताते हैं कि रिपीट वाली पारी पर जब से ब्रेक वाली बात चली है तब से बारह दरी वालों का नाम चर्चा में आ गया है। पुराने चावल हैं और पूरी लाईफ फूल के नाम की है। लेकिन लखनऊ वाले फ्लॉवर बता रहे हैं कि उनके नाम पर फिलहाल ताजपोशी का गणित फलित नहीं होने जा रहा है। वो महान हैं, लीडर हैं और जुझारू भी हैं। सुना है कि उनका नाम भी फाईनल वाले सीन में है। मगर जब घोषणा होगी तो इस बात की प्रबल संभावना है कि औल्ड वाले फोल्ड में उनका नाम हो सकता है। जिस एक पद को बाद में घोषित करने की बात हो रही है वो पद उन्हीं का माना जा रहा है। मगर ये भाजपा है और अब यहां कोई भी गणित फेल हो सकता है। किसी भी नाम पर खेल हो सकता है।

इलेक्ट्रॉनिक व्यापारी की गला रेतकर हत्या

हापुड़ करंट क्राइम: हापुड़ के एक इलेक्ट्रॉनिक व्यापारी का शव खून से लथपथ उसके गोदाम पर मिला। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्रित शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। व्यापारी की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या की गई है। व्यापारी की मौत के बाद परिजनों में कोहराम मचा है। जानकारी के अनुसार, थाना बाबूगढ़ क्षेत्र के अयादनगर निवासी विनोद कुमार पुत्र शीशराम पाल की बछलौता रोड पर इलेक्ट्रॉनिक गोदाम है। विनोद कुमार बुधवार की रात दुकान बंद करके घर नहीं पहुंचे और गोदाम के ऊपर सो गए। जब गुरुवार की सुबह परिजन गोदाम पर पहुंचे तो इलेक्ट्रॉनिक व्यापारी विनोद कुमार का शव खून से लथपथ वहां पड़ा हुआ था। शव देखते ही परिजनों की चीख निकल गई। शोर सुनकर आसपास के सैकड़ों लोग मौके पर एकत्रित हो गए। व्यापारी विनोद कुमार की किसी ने बेरहमी से गला रेतकर हत्या कर दी थी। सूचना पर मौके पहुंची पुलिस ने मृतक व्यापारी के गोदाम और आसपास के सीसीटीवी कैमरा को खंगाला रहे है।

केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने किया 'आशीर्वचनम' कार्यक्रम का शुभारंभ

मोदीनगर। डॉ. केएन मोदी फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'आशीर्वचनम' कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री जयंत चौधरी ने युवाओं को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार होने का आह्वान किया। इस अवसर पर उन्होंने मोदीनगर में विश्वविद्यालय के कौशल विकास एवं उद्यमिता केंद्र का उद्घाटन भी किया।

फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रो. डॉ. डीके मोदी ने घोषणा की कि डॉ. केएन मोदी विश्वविद्यालय, मोदीनगर में वर्ष 2025-26 से नया शैक्षणिक सत्र शुरू होगा। विभिन्न पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले 26 छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। संस्थान अब तक 10,000 से अधिक विद्यार्थियों को 22 से अधिक जॉब रोल्स में प्रशिक्षित कर प्लेसमेंट दिला चुका है। कार्यक्रम में सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान, विधायक डॉ. मंजू सिवाच, विधायक गुलाम मोहम्मद और नगर पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली उपस्थित रहे। संबोधन के दौरान जयंत चौधरी ने कहा कि आज दुनिया भारत की बात ध्यान से सुनती है, इसलिए छात्रों को अपनी प्रतिभा उस स्तर तक विकसित करनी चाहिए कि विश्व में उनका कोई मुकाबला न हो। कार्यक्रम का संचालन कैप्टन राजीव सक्सेना ने किया और समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान ने सर्विस रोड की मांग केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के समक्ष रखी

मोदीनगर, करंट क्राइम। दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस-वे (डीएमई) पर पांचवे चरण के निर्माणाधीन गांव तलैहटा के गोल चक्कर से बनने वाली सर्विस रोड की मांग को सांसद डॉ0 राजकुमार सांगवान ने सड़क परिवहन एंव राजमार्ग मंत्रालय के केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के समक्ष प्रमुख से उठाया। मंत्री नितिन गडकरी ने उन्हें आश्वस्त किया कि उनकी मांग के संबध में मिले पत्र को लेकर एनएचएआई के अधिकारियों से रिपोर्ट तलब कर ली गई है। दरअसल गांव तलहैटा कट पर सर्विस रोड सहित कई मांगों को लेकर भाकियू टिकैत के बैनर तले किसानों ने आंदोलन किया था। आंदोलनकारी किसानों के धरने पर पहुंचकर सांसद डॉ0 राजकुमार सांगवान ने उनकी मांगों के संबध में मंत्री नितिन गडकरी से मिलकर समस्या के निस्तारण की बात कहीं थी। उनके इस आश्वसन पर किसानों ने धरना समाप्त कर दिया था। इस समस्या के तहत ही उन्होने सर्विस रोड की मांग मंत्री के समक्ष उठाई, जिस पर उन्होने सांसद डॉ0 राजकुमार को अवगत कराया कि उनकी इस मांग को लेकर अधिकारियों को पत्र प्रेषित कर दिया गया हैं। समस्या का शीघ्र निराकरण करा दिया जायेगा।

कमिश्नरेट में किस एडीसीपी की होगी पोस्टिंग

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में वर्तमान में कई पद पर अधिकारियों की पोस्टिंग नहीं है। जिसके चलते उनके कमरे और कार्यालय खाली चल रहे हैं। तो कमिश्नरेट वाले सिस्टम में कुछ अतिरिक्त चार्ज अधिकारियों पर दबाव बना रहा है। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम के सूत्र बता रहे हैं कि लंबे समय से गाजियाबाद वाले सिस्टम में एडीसीपी वाली पोस्टिंग पर मानो ग्रहण सा लग गया है। एक ही अफसर पर इन दिनों एडीसीपी स्तर वाले कई प्रभार मिले हुए हैं। जिसकी वजह से वह अत्यंत बिजी चल रहे हैं। कभी अर्ली मॉनिंग आते हैं तो कभी लेट नाइट काम करते हैं। सूत्र बता रहे हैं कि गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट में लगभग सात महीने से अधिक का समय हो चुका है, जब एडीसीपी वाले पद पर किसी की पोस्टिंग नहीं हो रही है। पहले यहां ट्रैफिक वाले विभाग में इस पद को समाप्त किया गया, तो अब लंबे समय से प्रोटोकॉल वाले साहब भी यहां तैनात नहीं किए गए हैं। वहीं वीआईपी एडीसीपी वाला मामला भी उन्हीं के कंधों पर चल रहा है और इन सबके बीच जिस तरीके से अब दो दिन पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में पुलिसकर्मियों की भर्ती और परीक्षा वाला काम है उसपर भी अभी वेटिंग चल रही है। बताया जा रहा है कि एडीसीपी वाले साहब का तो कमरा ही बहुत दिनों से बंद पड़ा है। फर्नीचर पर धूल जम गई है और कमरे में अंधेरा रहता है। इन सबके बीच जानकारी मिल रही है कि जो लिस्ट एसीपी और एडीसीपी वाले प्रमोशन के बाद आनी है, उसमें भी गाजियाबाद के कई कनेक्शन बना रहे हैं। सुना है एक आईपीएस का भी इसमें नाम जुड़ सकता है। तो बताया जा रहा है कि चार एसीपी के नाम पर लगभग प्रमोशन तय माना जा रहा है और इस प्रमोशन के बाद अगर एसीपी वाली लिस्ट भी आ जाती है, तो गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट में कई अधिकारियों के जोन का गणित बदल जाएगा। कानून व्यवस्था की स्थिति और पुलिसिंग पर भी इसका असर देखने को मिलेगा। अब देखना होगा गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट में किसको मौका मिलेगा और किसको अभी यही वेट करना पड़ेगा और किसको कमिश्नरेट और जिले में भेजा जाता है। कुल मिलाकर सूत्र बता रहे हैं की नवरात्रि तक मामले में कुछ तेजी आ सकती है। फिलहाल तो अभी रमजान वाला कार्यक्रम निपटाना है। देखना होगा आने वाले दिनों में एडीसीपी पद पर कौन आता है और किसको नई जिम्मेदारी मिलेगी।

साहिबाबाद में गैस एजेंसी पर बुकिंग के लिए मची मारामारी

- सर्वर डाउन के बहाने बैरंग लौटाए जा रहे उपभोक्ता

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। साहिबाबाद स्थित गैस सिलेंडर एजेंसियों पर उपभोक्ताओं का धैर्य जवाब दे रहा है। सिलेंडर बुकिंग और डिलीवरी को लेकर यहाँ पिछले कुछ दिनों से भारी किल्लत और अव्यवस्था का माहौल बना हुआ है। गुरुवार सुबह से ही एजेंसियों के बाहर उपभोक्ताओं की लंबी कतारें देखी गईं, लेकिन घंटों इंतजार के बाद भी अधिकांश लोगों को खाली हाथ लौटना पड़ा।

गैस की किल्लत का आलम यह है कि चन्द्रनगर, अर्थला, औद्योगिक क्षेत्र, राजेन्द्र नगर, इंदिरापुरम और खोड़ा जैसे दूर-दराज के इलाकों से लोग तड़के ही एजेंसियों पर पहुंच गए थे। कतार में लगे उपभोक्ताओं का कहना है कि वे अपना कामकाज छोड़कर सुबह से लाइन में खड़े हैं, लेकिन एजेंसी प्रबंधन की ओर से कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिल रहा है। लाइन में लगे राहुल परिहार ने कहा कि जब उनकी बारी आती है, तो एजेंसी कर्मचारी 'सर्वर डाउन' होने का बहाना बनाकर उन्हें वापस भेज देते हैं। उपभोक्ताओं का गुस्सा इस बात पर भी फूटा कि जहाँ आम आदमी को नियमों का हवाला देकर घंटों खड़ा रखा जा रहा हैं।

राहुल परिहार

बच्चों का स्कूल और अपना ऑफिस छूट गया, लेकिन यहाँ कोई सुनने वाला नहीं है और सर्वर की समस्या का स्थायी समाधान हो। साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र स्थित यदु गैस एजेंसी के मैनेजर विजय चौहान ने बताया कि गैस की कोई भी दिक्कत नहीं हो रही है पहले से ज्यादा गैस वितरण हो रही है, सर्वर डाउन के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

भक्ति, ज्ञान और वैराग्य की कथा सुनकर भाव विभोर हुए श्रद्धालु

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। खोड़ा के हिमालय एंक्लेव स्थित, प्राचीन शिव शक्ति दुर्गा मंदिर के प्रांगण में चल रही संगीतमय श्रीमद भागवत कथा के दूसरे दिन गोवर्धन धाम से पधारे कथा व्यास कृष्ण पवन शास्त्री के मुखारबिंद से मुख्य रूप से शुकदेव जी का आगमन, परीक्षित जी को श्राप, और भागवत महात्म्य की कथा सुनाई गई।

इस कथा में राजा परीक्षित द्वारा शमीक ऋषि के गले में मृत सांप डालने, ऋषि पुत्र श्रृंगी द्वारा श्राप देने और शुकदेव मुनि के आगमन से ज्ञान-भक्ति की धारा प्रवाहित होने का वर्णन किया गया। कथा को सुनकर सभी श्रद्धालु भक्ति रस में डूब गए। इस मौके पर कथा के मुख्य यजमान मीरा गुप्ता धर्म पत्नी स्व. राजेन्द्र कुमार गुप्ता, सुपुत्र नितिन गुप्ता संग राखी गुप्ता, डी. पी. उपाध्याय, हृदय राम मिश्रा, भोला पांडेय, डी.डी. तिवारी, परमात्मा यादव, सूरज सिंह कुशवाह, संतोष मिश्रा, रवि शर्मा, पिंटू पांडेय, अंकित गुप्ता, अनुज गुप्ता, अनमोल गुप्ता, शिव राम आदि मौजूद थे।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह ने अपने पुराने साथी और एबीवीपी के पूर्व संगठन मंत्री नितेश तोमर के सुपुत्र अनिकेत को जन्मदिन की शुभकामनायें दीं। ये एक आत्मीयता है कि राजनीति में रहकर भी हम अपनों की खुशी में शामिल होना नहीं भूलते। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी ने जन्मदिन की इस पोस्ट को फेसबुक पर साझा किया। उनकी यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

ईरान युद्ध में उलझी दुनिया, यूएस से मुकाबले की तैयारी में चीन, पंचवर्षीय योजना को दी मंजूरी

बीजिंग। चीन की संसद एनपीसी ने पंचवर्षीय योजना को मंजूरी दी है। इस योजना में तकनीक को सबसे आगे रखा गया है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि यही अब भी सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है। पश्चिम एशिया में जारी जंग के बीच चीन का फोकस कहां है

दुनिया का ध्यान इस समय पश्चिम एशिया में जारी जग पर है। लेकिन इसके बावजूद चीन अपनी योजनाओं और कामों को आगे बढ़ाता जा रहा है। इसका असर पूरी दुनिया पर देखने को मिल सकता है। बीजिंग को युद्ध और उससे ऊर्जा की आपूर्ति व दुनिया की राजनीति पर पड़ने वाले असर की चिंता है। लेकिन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के कारण चीन का असली मुकाबला अमेरिका से है। यह मुकाबला नई और आधुनिक तकनीकों के विकास को लेकर है, जो 21वीं सदी को तय करेंगी।

यह बात उस पांच साल की योजना में भी दिखाई दी, जिसे गुरुवार को चीन की संसद नेशनल पीपल्स कांग्रेस (एनपीसी ने मंजूरी दी। यह चीन का साल का सबसे बड़ा राजनीतिक कार्यक्रम होता है। इस योजना से स्पष्ट है कि चीन अपनी अर्थव्यवस्था को बदलने और तकनीक के क्षेत्र में आगे रहने के लिए और तेजी से काम करना चाहता है। सरकारी मीडिया ने कहा कि चीन का आर्थिक विकास पर टिके रहना अनिश्चित दुनिया में स्थिरता लाने वाली ताकत है।

सरकारी अखबार पीपुल्स डेली ने बुधवार को पहले पन्ने पर लिखे लेख में कहा कि एक स्थिर और विकासशील चीन बदलाव और उथल-पुथल से भरी दुनिया में अधिक स्थिरता और भरोसा पैदा करता है। दूसरे सरकारी मीडिया ने भी इसी तरह की बात कही। इन लेखों और सरकारी बयानों में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नाम का जिक्र नहीं किया गया है। हालांकि, इनमें कहा गया है कि टैरिफ और वेनेजुएला से लेकर ईरान तक सैन्य ताकत के इस्तेमाल ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से अंतरराष्ट्रीय संबंधों को संचालित करने वाली वैश्विक व्यवस्था को हिला दिया है। चीन सार्वजनिक रूप से उस व्यवस्था का बचाव करता है, लेकिन यह भी कहता है कि इसे अधिक न्यायसंगत बनाया जाना चाहिए ताकि इसमें विकसित देशों के साथ-साथ विकासशील देशों के हित भी शामिल हों।

बीजिंग का दौरा करेंगे ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप तीन हफ्तों के बाद बीजिंग आने वाले हैं। वहां उनकी मुलाकात चीन के नेता शी जिनपिंग से होगी और दोनों के बीच बातचीत होगी। नेशनल पीपुल्स कांग्रेस ने अपनी समापन बैठक में तीन कानूनों को मंजूरी दी। इनमें एक कानून जातीय अल्पसंख्यकों से जुड़ा है। पंचवर्षीय योजना को मंजूरी देने के लिए जो मतदान होता है, उसे औपचारिक माना जाता है और ये योजनाएं लगभग सर्वसम्मति से पारित होते हैं। इनका मकसद सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के पीछे एकता दिखाना होता है। पांच वर्षीय योजना के पक्ष में 2,758 वोट पड़े, एक विरोध में और दो सदस्यों ने मतदान से दूरी बनाई। विदेश मंत्री वांग यी ने वार्षिक प्रेस वार्ता में कहा, हम एक महान देश के निर्माण में पूरी गति से आगे बढ़ रहे हैं।

विकास के लिए तकनीक पर भरोसा

कई अर्थशास्त्रियों का मानना है कि चीन को घरेलू खर्च बढ़ाने के लिए उपभोक्ताओं के हाथ में ज्यादा पैसा देना चाहिए, ताकि निर्यात आधारित विकास पर उसकी निर्भरता कम हो सके। चीन के नेता सैद्धांतिक रूप से इससे सहमत हैं, लेकिन पांच वर्षीय योजना में तकनीक को सबसे आगे रखा गया है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि यही अब भी सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है। विश्लेषकों का मानना है कि खपत बढ़ाने के लिए उठाए जाने वाले कदम धीरे-धीरे लागू होंगे।

सलालाह पोर्ट पर ड्रोन से तेल टैंकरों को बनाया निशाना

मस्कट। खाड़ी देशों में जारी तनाव के बीच ओमान के सलालाह बंदरगाह पर बड़ा ड्रोन हमला हुआ है। इस हमले में तेल के स्टोरेज टैंकों को निशाना बनाया गया है जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। शुरूआती रिपोर्टों में इस हमले के पीछे ईरान का हाथ बताया जा रहा है।

खाड़ी क्षेत्र में तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। अमेरिका और इस्त्राइल के साथ चल रहे युद्ध के बीच ईरान ने अब ओमान के सलालाह बंदरगाह पर ड्रोन से हमला किया है। इस हमले में तेल के स्टोरेज टैंकों को निशाना बनाया गया है। इस घटना ने क्षेत्र में एक नया संकट पैदा कर दिया है, क्योंकि ओमान अब तक इस युद्ध में एक तटस्थ देश की भूमिका निभा रहा था।

अल जजीरा और ओमान टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, ड्रोन हमलों ने सलालाह बंदरगाह पर स्थित तेल टैंकों को काफी नुकसान पहुंचाया है। ब्रिटेन की समुद्री सुरक्षा कंपनी एम्ब्रे ने भी इस हमले की पुष्टि की है। हालांकि राहत

की बात यह है कि इस हमले में किसी भी व्यापारिक जहाज को नुकसान नहीं पहुंचा है। यह हमला ईरान द्वारा खाड़ी देशों के ऊर्जा ठिकानों पर किए जा रहे हमलों का हिस्सा माना जा रहा है।

ओमान के सुल्तान ने जताई कड़ी आपत्तिः इस हमले के बाद ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक अल सैद ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान से संपर्क किया। सुल्तान ने ओमान की धरती पर हुए इन हमलों पर कड़ा विरोध दर्ज कराया और इसकी निंदा की। उन्होंने साफ किया कि ओमान युद्ध में किसी का पक्ष नहीं ले रहा है।

इथियोपिया में भूस्खलन से मची तबाही 50 लोगों की मौत, 125 लापता

अदीस अबाबा। अफ्रीकी देश इथोपिया के दक्षिणी हिस्सों में लगातार एक हफ्ते तक हुई भारी बारिश के बाद हुए भूस्खलन में कम से कम 50 लोगों की मौत हो गई, जबकि 125 अन्य लोग लापता बताए जा रहे हैं। स्थानीय अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि भूस्खलन गामो जोन के तीन जिलों गाचो बाबा, कम्बा और बॉकें में हुआ।

गामो जोन के आपदा प्रतिक्रिया निदेशक मेसफिन मनुका ने बताया कि भारी बारिश के कारण कई इलाकों में अचानक भूस्खलन हुआ, जिससे बड़ी संख्या में लोग मलबे में दब गए। राहत और बचाव अभियान जारी है और अब तक एक व्यक्ति को कीचड़ से जीवित बाहर निकाला गया है।

गाचो बाबा जिले के संचार प्रमुख अबेबे अगेना ने कहा कि मृतकों में से अधिकतर के शव मिट्टी और मलबे में दबे हुए मिले हैं। हालांकि अभी

तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इस आपदा से कितने घर और परिवार प्रभावित हुए हैं। स्थानीय प्रशासन और बचाव दल मलबे में फंसे लोगों की तलाश में लगातार राहत कार्य चला रहे हैं। अधिकारियों को आशंका है कि लापता लोगों की संख्या और बढ़ सकती है।

'हमारे द्वीपों पर हमला हुआ तो खून से लाल होगी फारस की खाड़ी', ईरानी संसद के अध्यक्ष की बड़ी चेतावनी

दुबई। ईरान के संसद अध्यक्ष ने गुरुवार को कहा कि ईरान के द्वीपों पर किसी भी आक्रमण से 'फारसी खाड़ी आक्रमणकारियों के खून से लथपथ हो जाएगी।' ईरान के पास तीन द्वीप हैं जो उसने 1971 में संयुक्त अरब अमीरात के गठन से पहले उससे छीन लिए थे। ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि अमेरिका फारसी खाड़ी में ईरान के मुख्य तेल टर्मिनल, खर्ग द्वीप को निशाना बना सकता है।

ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकिर कालिबफ ने गुरुवार को कहा कि ईरान के द्वीपों पर किसी भी तरह का आक्रमण करने वाले 'फारस की खाड़ी को हमलावरों के खून से सराबोर कर देगा।' यह चेतावनी ईरान में चल रहे युद्ध के बीच तनाव को और बढ़ाने वाली है। यह स्पष्ट नहीं है कि

कालिबाफ की यह टिप्पणी किस विशेष घटना से प्रेरित थी। हालांकि, यह बयान ईरान और अन्य देशों के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव का संकेत देता है।

खर्ग द्वीप को निशाना बना सकता है अमेरिका

ऐतिहासिक रूप से, ईरान 1971 में अपने गठन से पहले संयुक्त अरब अमीरात से तीन द्वीपों पर नियंत्रण रखता है।

ये द्वीप फारस की खाड़ी में सामरिक महत्व रखते हैं। इस बीच, ऐसी अटकलें भी लगाई जा रही हैं कि संयुक्त राज्य अमेरिका फारस की खाड़ी में स्थित खर्ग द्वीप को निशाना बना सकता है, जो ईरान का मुख्य तेल टर्मिनल है। खर्ग द्वीप ईरान के तेल निर्यात का एक महत्वपूर्ण केंद्र है, और इस पर किसी भी तरह का हमला ईरान की अर्थव्यवस्था पर गंभीर प्रभाव डाल सकता है।

2018 से ईरान अमेरिका के बीच तनावः ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच संबंध लंबे समय से तनावपूर्ण रहे हैं, खासकर 2018 में अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा ईरान परमाणु समझौते से अमेरिका के हटने के बाद। हाल के वर्षों में, दोनों देशों के बीच प्रत्यक्ष सैन्य टकराव तो नहीं हुआ है, लेकिन अप्रत्यक्ष संघर्ष और तनाव जारी रहा है। ईरान के क्षेत्रीय प्रभाव और परमाणु कार्यक्रम को लेकर पश्चिमी देशों की चिंताएं बनी हुई हैं।

ईरानी संसद अध्यक्ष कालिबफ की यह चेतावनी ईरान की अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता को दशार्ती है। यह बयान किसी भी बाहरी आक्रामकता के खिलाफ ईरान की प्रतिक्रिया की कठोरता को रेखांकित करता है और क्षेत्र में अस्थिरता की आशंकाओं को बढ़ाता है।

खर्ग द्वीप जैसे महत्वपूर्ण ठिकानों पर संभावित हमलों की अटकलें स्थिति को और जटिल बनाती हैं।

GCC देशों पर ईरानी हमले की निंदाः UN में लाए गए प्रस्ताव का भारत ने संयोजन किया

नई दिल्ली। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएएससी) में ईरान के खिलाफ लाए गए एक कड़े प्रस्ताव का सह-प्रायोजन किया है। इस प्रस्ताव में खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के देशों और जॉर्डन पर ईरान के भयानक हमलों की निंदा की गई है। भारत उन 135 देशों में शामिल है जिन्होंने इस प्रस्ताव को सह-प्रायोजन किया है।

सुरक्षा परिषद के 15 सदस्यों में से 13 देशों ने इस प्रस्ताव के पक्ष में वोट दिया। किसी भी देश ने इसके विरोध में वोट नहीं किया। हालांकि, रूस और चीन ने वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया और वे इससे दूर रहे। इस समय अमेरिका सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता कर रहा है। इस प्रस्ताव में बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और जॉर्डन की क्षेत्रीय अखंडता और आजादी का समर्थन किया गया है।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र में ईरान के खिलाफ लाए गए प्रस्ताव का सह-प्रायोजन किया है। इस प्रस्ताव में खाड़ी देशों और जॉर्डन पर ईरानी हमलों की कड़ी निंदा की गई है। सुरक्षा परिषद ने ईरान से हमले तुरंत रोकने और समुद्री व्यापारिक रास्तों को बाधित न करने की मांग की है। रूस और चीन इस वोटिंग से दूर रहे।

संयुक्त राष्ट्र ने मांग की है कि ईरान इन देशों पर अपने सभी हमले तुरंत और बिना शर्त रोक दे। साथ ही, ईरान को चेतावनी दी गई है कि वह स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज जैसे महत्वपूर्ण समुद्री रास्तों को बंद करने या बाधित करने की धमकी देना बंद करे।

प्रस्ताव में कहा गया है कि ईरान के ये हमले अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन हैं और इनसे वैश्विक शांति को गंभीर खतरा है। इसमें इस बात पर भी चिंता जताई गई कि हमलों में रिहायशी इलाकों और आम नागरिकों को निशाना बनाया गया, जिससे जान-माल का काफी नुकसान हुआ है।

अमेरिका के प्रतिनिधि माइक वाल्ट्ज ने कहा कि यह प्रस्ताव ईरान के शासन की क्रूरता के खिलाफ दुनिया का एक स्पष्ट संदेश है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शांति के लिए हर संभव कोशिश की, लेकिन ईरान ने बार-बार 'रेड लाइन' पार की। अब पूरी दुनिया ईरान को उसकी हरकतों के लिए जिम्मेदार ठहरा रही है। दूसरी तरफ, ईरान ने इस कार्रवाई को अन्यायपूर्ण और अवैध बताया है।

संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत अमीर सईद इरावानी ने कहा कि यह फैसला संयुक्त राष्ट्र के चार्टर के खिलाफ है। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका और इस्त्रायल के हमलों में हजारों ईरानी नागरिक मारे गए हैं और हजारों इमारतें तबाह हो गई हैं। ईरान ने दावा किया कि उसने कभी समुद्री रास्ता बंद नहीं किया और वह अपने पड़ोसियों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

भारत के साथ ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, जापान, पाकिस्तान और सऊदी अरब जैसे कई देशों ने इस प्रस्ताव का साथ दिया है। यह प्रस्ताव ईरान को अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानूनों का पालन करने और युद्ध के दौरान आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की याद दिलाता है।

तनाव के बीच कतर से विमानों का संचालन शुरू, भारत के लिए भी कई विमान भरेंगे उड़ान

दोहा। ईरान के हमलों के बीच कतर एयरवेज 12 से 17 मार्च तक सीमित विमानों का संचालन शुरू किया है। इससे भारत समेत कई देशों के फंसे हुए यात्रियों को राहत मिलेगी।

पश्चिम एशिया में ईरान के हमलों की वजह से विमानों की आवाजाही पर बुरा असर पड़ा है। इन हमलों के कारण पश्चिम एशिया में दूसरे देशों के बहुत से नागरिक फंसे हुए हैं। इस स्थिति को देखते हुए कतर 12 मार्च से विमानों का संचालन शुरू करने जा रहा है। कतर एयरवेज ने बताया है कि दोहा से गुरुवार को कई विमान उड़ान भरेंगे। ताजा हालात के हिसाब से कतर एयरवेज 12 से 17 मार्च तक दोहा आने-जाने के लिए सीमित विमान चलाएगा।

नए शेड्यूल के अनुसार 12 मार्च को हमाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट से कुल 29 विमानों का संचालन होगा। इसमें 15 विमान रवाना होंगे और 14 विमान वहां पहुंचेंगे। दोहा से जाने वाले विमान मुख्य रूप से मुंबई, नई दिल्ली, इस्लामाबाद, न्यूयॉर्क, फ्रैंकफर्ट, बीजिंग, लंदन, काहिरा और जोहान्सबर्ग जाएंगे। वहीं सियोल, जेद्दा, नई दिल्ली, हांगकांग, मस्कट, मेलबर्न, डलास और बैंकॉक से विमान दोहा आएंगे।

भारत के लिए 13 मार्च को दोहा से कोच्चि के लिए विमान चलेगा। इसके अलावा 14 मार्च को मुंबई, 15 मार्च को दिल्ली और 16 मार्च को कोच्चि और मुंबई के लिए विमान उड़ान भरेंगे। 17 मार्च को भी कोच्चि और मुंबई के लिए दोहा से विमान रवाना होगा। वापसी में कोच्चि से 14 मार्च को, मुंबई से 15 मार्च को और नई दिल्ली से 16 मार्च को दोहा के लिए विमान उड़ान भरेंगे।

कतर एयरवेज ने कहा कि नागरिक उड्डयन मंत्रालय से मंजूरी मिलने के बाद उन्हें एक सीमित रास्ता (कॉरिडोर) इस्तेमाल करने की इजाजत मिली है। एयरलाइन आने वाले दिनों में कुछ खास शेड्यूल चलाएगी ताकि फंसे हुए यात्रियों की मदद हो सके। कंपनी ने साफ किया कि यह नियमित उड़ानों की शुरूआत नहीं है। अभी विमान सेवाएं अस्थायी तौर पर रुकी हुई हैं। कंपनी यात्रियों को उनके परिवार से मिलाने की कोशिश कर रही है। कतर का एयरस्पेस सुरक्षित रूप से खुलने के बाद ही सामान्य ऑपरेशन शुरू होंगे।

अमेरिकी सांसदों ने ईरान में स्कूल पर हमले का किया विरोध

7 से 12 साल की बच्चियों की हुई मौत

नई दिल्ली। अमेरिका के 40 से अधिक सीनेटरों ने पेंटागन को पत्र लिखकर ईरान के मिनाब में लड़कियों के स्कूल पर हुई एयरस्ट्राइक पर जवाब मांगा। हमले में कई बच्चों की मौत हुई। सांसदों ने जांच, जवाबदेही, अंतरराष्ट्रीय कानूनों के पालन और एआई के इस्तेमाल पर भी स्पष्टीकरण मांगा।

अमेरिका में ईरान पर हमले के विरोध में कई सीनेटरों ने पेंटागन को पत्र लिखकर जवाब मांगा है। 40 से अधिक यूएस सिनेटरों ने पेंटागन को पत्र लिखकर ईरान में लड़कियों के एक स्कूल पर हुए बम धमाके का विरोध किया है। इस धमाके में कथित तौर पर 168 लोग मारे गए थे। 28 फरवरी जब अमेरिका और इस्त्राइल पर हमला शुरू किया तब इस गोलाबारी में ईरान में लड़कियों के एक प्रथमिक विद्यालय मिनाब पर एयरस्ट्राइक हुई। इस हमले में ज्यादातक बच्चों का मौत हुई।

सांसदों द्वारा रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को लिखे पत्र में 28 फरवरी को बच्चों के एक स्कूल पर की गई एयरस्ट्राइक को लेकर चिंता जताई गई है। साथ ही पेंटागन से इस पर जवाब मांगा है। इस पत्र को लिखने वाले समूह में सीनेटर क्रिस वैन होलेन, टिम केन, एलिजाबेथ वॉरेन और ब्रायन शैट्ज प्रमुख है। इसे सीनेट डेमोक्रेटिक लीडर चक शूमर के साथ-साथ 40 से ज्यादा दूसरे सांसदों का समर्थन मिला है। साथ ही यह भी कहा गया कि अमेरिका और इस्त्राइल दोनों के जंग के दौरान अमेरिका और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पालन करना चाहिए।

ईरान ने यूएन सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव को किया खारिज

राजदूत इरावानी ने अन्यायपूर्ण और गैरकानूनी बताया

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के स्थायी प्रतिनिधि अमीर-सईद इरावानी ने सुरक्षा परिषद की ओर से ईरान के खिलाफ पारित किए गए प्रस्ताव पर कड़ा विरोध जताया है। सरकारी प्रसारक प्रेस टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को सुरक्षा परिषद के सत्र में बोलते हुए अमीर-सईद इरावानी ने इस दस्तावेज को अन्यायपूर्ण और गैरकानूनी बताते हुए खारिज कर दिया। उन्होंने तर्क दिया कि प्रस्ताव का पारित होना सुरक्षा परिषद की विश्वसनीयता के लिए एक गंभीर झटका है। यह विश्व निकाय के इतिहास पर एक अमिट दाग छोड़ता है।

अधिकार का घोर दुरुपयोग है

राजदूत ने दावा किया कि यह कदम सुरक्षा परिषद के अधिकार का घोर दुरुपयोग है। इसका उद्देश्य कुछ सदस्यों के राजनीतिक एजेंडे को पूरा करना है। उन्होंने आगे कहा कि यह

जमीनी हकीकतों को तोड़-मरोड़ कर पेश करता है। मौजूदा क्षेत्रीय संकट के मूल कारणों को संबोधित करने में विफल रहता है। अपने कड़े शब्दों वाले भाषण में, इरावानी ने दस्तावेज की पक्षपातपूर्ण और राजनीतिक रूप से प्रेरित प्रकृति की निंदा की। उन्होंने आरोप लगाया कि यह पीड़ित और हमलावर की भूमिकाओं को उलट देता है। तर्क दिया कि अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया दोनों शासनों को और अधिक अपराध करने के लिए प्रोत्साहित करती है।

तेहरान परिषद के फैसले को स्वीकार नहीं करेगा

मिशन के आधिकारिक बयानों में इस बात पर जोर दिया गया कि तेहरान परिषद के फैसले को स्वीकार नहीं करेगा। इरावानी ने इस कार्रवाई को संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून के विपरीत बताया। इसके साथ ही कहा कि यह आक्रामकता के कृत्यों के निर्धारण को नियंत्रित करने वाले स्थापित सिद्धांतों की पूरी तरह से अवहेलना करती है।

ईरानी राजनयिक ने परिषद के यूरोपीय सदस्यों की भी कड़ी आलोचना की। उन्होंने दावा किया कि प्रस्ताव के लिए उनका समर्थन यह साबित करता है कि ₹संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून की रक्षा करने के उनके दावे खोखले शब्दों से अधिक कुछ नहीं हैं।

वाशिंगटन से मिले आदेश का पालने करने का आरोप लगाया

इरावानी ने कहा, ₹उनका पाखंडी और गैर-जिम्मेदाराना आचरण एक बार फिर यह दशार्ता है कि अंतरराष्ट्रीय कानून के प्रति उनकी घोषित प्रतिबद्धता की तुलना में राजनीतिक विचार अधिक महत्वपूर्ण हैं।₹ उन्होंने आगे आरोप लगाया कि ये राष्ट्र स्वतंत्र रूप से कार्य करने के बजाय केवल वाशिंगटन से मिले राजनीतिक निर्देशों का पालन कर रहे हैं। राजनयिक दस्तावेजों के अनुसार, ईरानी दूत ने कुछ विशिष्ट सदस्यों पर अमेरिका और इस्राइल की कार्रवाइयों को नजरअंदाज करते हुए ईरान को दोषी ठहराने का एक घिनौना और स्पष्ट प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने विशेष रूप से मीनाब शहर में 170 स्कूली छात्राओं के नरसंहार का उल्लेख अनदेखी की गई क्रूरताओं के उदाहरण के रूप में किया। इरावानी के अनुसार, 28 फरवरी को हुए ₹अवैध, अनुचित और बिना उकसावे वाले सैन्य हमले के बाद संघर्ष और बढ़ गया। उन्होंने इसे इस्लामी गणराज्य के नेता, अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई और अन्य उच्च पदस्थ अधिकारियों की कायरतापूर्ण आतंकवादी हत्या से जोड़ा।

आत्मरक्षा के अपने अधिकार का प्रयोग

तेहरान की सैन्य कार्रवाई का बचाव करते हुए राजदूत ने जोर देकर कहा कि ईरान ने संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51 के तहत आत्मरक्षा के अपने अधिकार का प्रयोग किया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा परिषद द्वारा अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने में विफल रहने के बाद राष्ट्रीय संप्रभुता की रक्षा के लिए यह आवश्यक था। इरावानी ने हमलों को अंजाम देने के लिए ₹कुछ तीसरे देशों के क्षेत्रों का इस्तेमाल करने₹ को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने स्पष्ट किया कि पश्चिम एशिया में ठिकानों के खिलाफ ईरान की बाद की कार्रवाई ₹किसी भी तरह से क्षेत्रीय देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के खिलाफ नहीं थी।

गाजियाबाद नगर निगम
Ghaziabad Nagar Nigam
(ISO 9001, 14001 व 18001 प्रमाणित संस्था)
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण
GHAZIABAD DEVELOPMENT AUTHORITY
غازی آباد ڈیولپمنٹ اتھارٹی

यशोदा मेडिसिटी ने वर्ल्ड किडनी डे पर 'ट्रांसप्लांट क्लिनिक' का किया शुभारंभ

किडनी डोनर्स का सम्मान और मुफ़्त स्वास्थ्य शिविर के साथ मरीजों को दी नई उम्मीद

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। इंदिरापुरम के यशोदा मेडिसिटी ने वर्ल्ड किडनी डे के अवसर पर रीनल केयर और किडनी ट्रांसप्लांटेशन पर कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान अस्पताल ने किडनी रोगियों को एक बड़ी सौगात देते हुए समर्पित क्रॉनिक किडनी डिजीज ट्रांसप्लांट क्लिनिक का उद्घाटन किया। यह क्लिनिक मरीजों को एक ही छत के नीचे व्यापक देखभाल और अत्याधुनिक उपचार समाधान प्रदान करेगा।

डोनर्स की निस्वार्थ सेवा को सलाम

कार्यक्रम का सबसे भावुक और मुख्य आकर्षण किडनी डोनर्स और सर्वाइवर्स का सम्मान समारोह रहा। अपनी किडनी दान कर दूसरों को नया जीवन देने वाले नायकों और बीमारी से बहादुरी से लड़ने वाले मरीजों को उनकी हिम्मत के लिए सम्मानित किया गया। इस दौरान अंगदान की महत्ता और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण के लिए प्रेरित किया।

मुख्य अतिथि डॉ. सीएमओ अखिलेश मोहन की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में यशोदा मेडिसिटी के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम डॉ. मीनू बाजपेयी, डॉ. एल. के. झा, डॉ. वैभव सक्सेना सहित अन्य ने किडनी रोगों के प्रबंधन पर मार्गदर्शन दिया। विशेषज्ञों ने किडनी ट्रांसप्लांट से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करते हुए वयस्कों और बच्चों के लिए आधुनिक उपचार पद्धतियों पर प्रकाश डाला।

चेयरमैन, यशोदा ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स डॉ. पी. एन. अरोड़ा ने कहा कि जागरूकता और समय पर सही उपचार ही किडनी स्वास्थ्य की कुंजी है। हम मरीजों को हर चरण में विश्वस्तरीय सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध है। यशोदा ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स की मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. उपासना अरोड़ा ने बताया कि किडनी ट्रांसप्लांट और डायलिसिस में हुई प्रगति ने मरीजों को जीवन का दूसरा अवसर दिया है। हमारा लक्ष्य इस उपचार को हर किसी के लिए सुलभ बनाना है।

स्वास्थ्य शिविर और जागरूकता

इस वर्ष की थीम किडनी हेल्थ फॉर ऑल के अनुरूप, अस्पताल परिसर में स्वास्थ्य शिविर भी लगाया गया। इसमें बड़ी संख्या में लोगों ने मुफ्त स्क्रीनिंग और परामर्श का लाभ उठाया।

गाजियाबाद का कायाकल्प : प्रभारी मंत्री जयवीर सिंह ने दी 10 करोड़ रुपए की सौगात

मंदिरों और पार्कों का होगा सौंदर्यीकरण

गाजियाबाद, करंट क्राइम। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने अपने गाजियाबाद भ्रमण के दौरान जनपद को विकास परियोजनाओं की बड़ी सौगात दी। भव्य कार्यक्रम के दौरान मंत्री जी ने लगभग 10 करोड़ रुपये की पर्यटन विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर उनके साथ सांसद अतुल गर्ग, विधायक संजीव शर्मा, अजितपाल त्यागी, डॉ. मंजू सिवाच और भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल सहित महंत नारायण गिरी उपस्थित रहे। पर्यटन विभाग द्वारा पूर्ण की जा चुकी 715.25 लाख रुपये की परियोजनाओं को जनता को समर्पित किया गया। इसमें मुख्य आकर्षण सिद्धपीठ दूधेश्वर नाथ मंदिर रहा, जिसके विकास पर 552.25 लाख रुपये खर्च किए गए हैं।

इसके अतिरिक्त मुरादनगर (कुन्हैड़ा): भगवान परशुराम मंदिर (92.50 लाख)। मोदीनगर: सीकरी महामाया मंदिर (70.50 लाख)। मंत्री जयवीर सिंह ने 281.74 लाख रुपये की लागत वाली नई परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया, जिनमें शामिल हैं: साहिबाबाद (सिहानी): प्राचीन शिव मंदिर (113.11 लाख)। मोदीनगर (निवाड़ी): चुकाय वाली माता मंदिर (74.45 लाख)। मुरादनगर (असालत नगर): श्री हनुमान जी मंदिर (94.18 लाख)।

इसके साथ ही, विजयनगर के जय भीम पार्क (149.63 लाख) और मोदीनगर के ग्राम सुराना (80.68 लाख) के विकास कार्यों का प्रस्ताव शासन को मंजूरी के लिए भेजा गया है। जनसभा को संबोधित करते हुए मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश पर्यटन के वैश्विक मानचित्र पर उभरा है। उन्होंने कहा, अयोध्या में राम मंदिर और काशी में विश्वनाथ धाम का भव्य स्वरूप भाजपा सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति का परिणाम है। आज प्रदेश में करोड़ों पर्यटक निर्भीक होकर आ रहे हैं, जिससे स्थानीय रोजगार और अर्थव्यवस्था को गति मिल रही है।

20 केंद्रों पर होगी पुलिस भर्ती परीक्षा

600 पुलिसकर्मी रहेंगे ड्यूटी पर तैनात

- परीक्षा केंद्रों के आसपास नहीं खुलेंगी फोटोस्टेट मशीनें की दुकानें
- नकलविहीन रहेगी परीक्षा

गाजियाबाद, करंट क्राइम। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती की लिखित परीक्षा 14 और 15 मार्च को आयोजित की जाएगी। परीक्षा को शांतिपूर्ण और नकल-विहीन तरीके से संपन्न कराने के लिए पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद ने व्यापक तैयारियां की हैं। जनपद में कुल 20 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। परीक्षा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के लिए लगभग 600 से अधिक पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। इनमें आईपीएस अधिकारी, सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी), थाना प्रभारी, चौकी प्रभारी, निरीक्षक, उप निरीक्षक, महिला व पुरुष कांस्टेबल सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहेगा। परीक्षा के नोडल प्रभारी अपर पुलिस उपायुक्त (अपराध) पीयूष सिंह ने बताया कि परीक्षा दो दिनों तक आयोजित होगी और दोनों दिन दो-दो पारियों में संपन्न कराई जाएगी। पहली पारी सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक होगी, जबकि दूसरी पारी दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित की जाएगी। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा ताकि अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

उन्होंने बताया कि परीक्षा की निगरानी के लिए फ्लाइंग स्क्वॉड और वरिष्ठ अधिकारियों की विशेष टीम भी सक्रिय रहेगी। साथ ही कई केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी की जाएगी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार परीक्षा के दौरान मोबाइल फोन, डिजिटल कैलकुलेटर, डिजिटल घड़ी और किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण को परीक्षा केंद्र के अंदर ले जाने की अनुमति नहीं होगी।

इसके अलावा परीक्षा केंद्रों के 200 से 500 मीटर के दायरे में भीड़ एकत्र होने पर रोक रहेगी। नकल रोकने के उद्देश्य से परीक्षा केंद्रों के आसपास फोटोस्टेट मशीनों का संचालन भी नहीं होने दिया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि सभी आवश्यक प्रबंध किए गए हैं और पुलिस भर्ती की लिखित परीक्षा को पूरी तरह नकल-विहीन और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया जाएगा।

अलविदा जुमा नमाज को लेकर एसीपी ने की बैठक, शांति व सौहार्द बनाए रखने की अपील

गाजियाबाद, करंट क्राइम : आगामी अलविदा जुमा नमाज के मद्देनजर थाना कोतवाली नगर क्षेत्र में सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए एसीपी कोतवाली नगर उपासना पाण्डेय ने स्थानीय लोगों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। बैठक में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, धर्मगुरुओं और स्थानीय प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

इस दौरान एसीपी उपासना पाण्डेय ने कहा कि अलविदा नमाज के अवसर पर क्षेत्र में आपसी भाईचारा, शांति और सौहार्द बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने उपस्थित लोगों से अपील की कि त्योहार के दौरान किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और यदि कोई संदिग्ध गतिविधि दिखाई दे तो तत्काल पुलिस को सूचना दें। पुलिस द्वारा क्षेत्र में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं ताकि नमाज शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हो सके। बैठक में पुलिस अधिकारियों ने उपस्थित जनों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए और सभी से पुलिस प्रशासन का सहयोग करने की अपेक्षा की। स्थानीय लोगों ने भी पुलिस को पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया और शांति बनाए रखने के लिए मिलकर कार्य करने का आश्वासन दिया।

दीपक भाटी
समाचार सम्पादक

- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** लगता है येढ़ा बनकर उनके साथी नहीं खाने देंगे उनको पेड़ा? ऐसा ही हमने नजारा देखा जब हो रहा था सवेरा? इस सवेरे में चल रहा था दूधेश्वर नाथ में पर्यटन मंत्री का प्रोग्राम? प्रोग्राम के बीच डेढ़ा भैया ने प्रकट कर दिये अपने अरमान? सुना है ये बात आशीष, विनोद और राजन को कुछ नहीं लगी खास? वो बोले तुम जिस व्यवस्था में वर्तमान में हो, उसी को संभालो? क्यों कर रहे हो तुम इतने प्रयास?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** कार्यक्रम में लग रहे थे सांसद और विधायक के जोरदार नारे? किसके नहीं लग रहे थे समझ जाओ प्यारे? कहने वाले कह रहे थे हमें तो लग रहा था ये सब सोची-समझी रणनीति का पैगाम? लेने वाले ले सकते थे उनका भी नारों में नाम? मगर ये बात हमें कुछ नहीं लगी ठीक? इसलिए हम हो गये बहुत ज्यादा हैरान?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** भगवागढ़ के दो चेहरे खुद ही करा रहे हैं आने वाली टीम में होने का एहसास? हम देख रहे हैं आजकल मिस्टर विनोद और मिस्टर राजन? घूम रहे हैं एक साथ? अधिकतर कार्यक्रमों में होते हैं दोनों के दीदार? खूब चर्चा में हैं इन दोनों का प्यार? दोनों साथ घूमकर यही दे रहे हैं संदेश? टीम में आने को लेकर हो गया है हमारा बेड़ा पार?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** मंदिर में कुछ ज्यादा ही दिख रहे थे आशीष भैया के तेवर हाई? वो वाई-फाई की स्पीड पर चल रहे थे अंदाज दिखा रहे थे हाई-फाई? उन्होंने डेढ़ा जी से कह दी अपने मन की बात? बोले आप का नंबर चार साल बाद महानमंत्री की व्यवस्था पर आयेगा? पता नहीं क्यों कर रहे हो आप फिर इतने प्रयास?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** मंदिर में भगवा बक्शी जी के भी अरमान चल रहे थे हाई? उन्होंने तुरंत जाकर की नंदी जी से मिलाई? उनके कान में कह दी अपने मन की बात? टीम में आने के लिए मांग लिया आशीर्वाद? देखना अब ये है कितना असर दिखायेगा उनका ये भाव? वैसे भी लंबे समय से वो महसूस कर रहे हैं पद वाला अभाव?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** मंदिर में थे भगवा कमांडर के दोस्त पहलवान भी मौजूद? ऐसा हो ही नहीं सकता है कि वो दिखायें ना अपना वजूद? उन्होंने करा दिया मौके पर कई लोगों को एहसास? कह दिया कईयों का कर दिया है बाकियों का भी कर दूंगा प्यार से ईलाज? कहने वाले ने कहा अभी भी बदल सकते हैं वो कईयों का वक्त? वो पहले पहलवान थे अब बन गये हैं चिकित्सक?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** मिस्टर चौहान इस वक्त नहीं चूकना चाहते और चल रहे हैं सीधी चाल? हमने देखा उन्होंने जहां मंत्री जी का आशीर्वाद लिया वहीं मुराद पूरी करने वाले विधायक जी का भी रखा ख्याल? कहने वाले ने कहा वैसे भी इस चेहरे को नहीं मिला है समय के अनुसार भाव? देखते हैं क्या ये आशीर्वाद दूर करेगा इनका आभाव?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** जैसे-जैसे टीम में भगवा संगठन की टीम में आने का रंग चढ़ रहा है परवान? हम देख रहे हैं दो पंजाबी चेहरों को लेकर मचा हुआ है घमासान? देखना अब ये है उन दोनों पंजाबी चेहरों में से कौन सा पंजाबी चेहरा बनायेगा टीम में स्थान? इनमें से एक चेहरे ने करना शुरू कर दिया है खुद को गुमनाम?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** महंत जी भी चाहते हैं कि भगवा संगठन की मजबूत हो रीढ़? वो जैसे ही अपने कमरे से नीचे आये तो उनको कम लगी भीड़? मगर यहां पर करने वालों ने करके रखा हुआ था पूरा इंतजाम? जैसे ही वो ये नजारा देखकर आगे बढ़े? वैसे ही कार्यकर्ताओं काफी संख्या में आने लगे श्रीमान?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** आने वाली 15 तारीख होगी कुछ खास? देखना इस दिन आयेगी कई वैश्य दावेदारों के चेहरों पर मुस्कुराहट? जिस चेहरे को मानकर वो चल रहे हैं दावेदारी का बड़ा किरदार? वो चेहरा इन सबको बड़ा सरप्राईज देने जा रहा है? सभी धड़कनों को थमकर रखें और करें सिर्फ इस तारीख का इंतजार?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

त्योहारों पर शांति व्यवस्था के लिए सिविल डिफेंस की बैठक

चौकसी बढ़ाने के दिए निर्देश

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। आगामी प्रमुख त्योहारों ईद और रामनवमी के मद्देनजर शहर में शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने के लिए सिविल डिफेंस ने गुरुवार को राजेंद्र नगर स्थित प्रभागीय कार्यालय में राजेंद्र नगर में संयुक्त बैठक का आयोजन किया गया। सतर्कता और चौकसी पर जोर यह बैठक अपर जिलाधिकारी नगर/उपनियंत्रक नागरिक सुरक्षा एवं चीफ वार्डन ललित जायसवाल के निर्देशानुसार और सहायक उपनियंत्रक नेम सिंह के नेतृत्व में संपन्न हुई। बैठक के दौरान डिविजनल वार्डन ए.के. ठाकुर और ए.के. जैन ने वार्डन को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में त्यौहारों के दौरान पूरी तरह चौकन्ने रहें। अधिकारियों ने विशेष रूप से जोर दिया कि सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से फैलने वाली भ्रामक खबरों और अफवाहों पर ध्यान न दें और जनता को भी जागरूक करें। सेवा के लिए मिला सम्मान कार्यक्रम के दौरान अनुशासन और सेवा की मिसाल पेश करने वाले वार्डन का उत्साहवर्धन भी किया गया। एस.आई.आर. में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वार्डन को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। त्योहारों के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखना हमारी प्राथमिकता है।

सभी वार्डन को अलर्ट मोड पर रहने और आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। इस अवसर पर डिप्टी डिविजनल वार्डन मंजूर हसन, स्टाफ ऑफिसर रमन सक्सेना, चैतन्य जैन, विनोद शर्मा, मंजुला शर्मा, गुलाम रसूल, कार्यालय सहायक किशोरी लाल सहित दोनों प्रभागों के अनेक वार्डन उपस्थित रहे।

शोक की छाया में स्थगित हुआ पारिवारिक समारोह

कांग्रेस नेता वीर सिंह चौधरी के बहनोई करन सिंह का निधन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एवं उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व सचिव वीर सिंह चौधरी के बहनोई श्री करन सिंह का आज लंबी बीमारी के बाद आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन की खबर से परिवार और क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई है। इस दुखद घटना के कारण 14 मार्च 2026 को वेदांता फार्म हाउस में वीर सिंह चौधरी के भतीजे के प्रस्तावित रिसेप्शन कार्यक्रम को स्थगित कर दिया गया है। परिवार ने इस कठिन समय में सभी शुभचिंतकों से सहयोग और संवेदना की अपील की है। इस शोक की घड़ी में समस्त कांग्रेस परिवार ने वीर सिंह चौधरी और उनके परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा है कि पार्टी का हर कार्यकर्ता उनके साथ खड़ा है और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना कर रहा है। 'वीर सिंह चौधरी एवं श्यामवीर चौधरी, गाजियाबाद (उ.प्र.) ने सभी परिचितों और शुभचिंतकों को इस संबंध में अवगत कराया है'। 'ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोक संतप्त परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें'।

चिन्टू जी

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।